राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित
वर्ष : 12
अंक : 16
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 01 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 विधायकों को धमकी मामला : हरियाणा एसटीएफ ने 6 लोगों को किया गिरफ्तार, पाकिस्तान से जुड़े गैंग के तार
पेज 5 हमीरपुर में दारोगा ने महिला को दी थर्ड डिग्री, घर के अंदर बेरहमी से पीटा फिर तीन दिन अवैध हिरासत में रखा, सस्पेंड
पेज 7 हिमालय पर 624 गांव बसाने की तैयारी में ड्रैगन, भारत के खिलाफ रच रहा नई साजिश

कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

राजस्थान में मानसून ने तोड़ा 11 साल का रिकॉर्ड; शिमला में भारी बारिश से जगह-जगह लैंडस्लाइड

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक,उत्तराखंड में आज भारी बारिश होगी। झारखंड में 2 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 5 दिनों तक सिक्किम, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा,जम्मू-कश्मीर,चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में बारिश का अलर्ट है।

यूपी के 54 जिलों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बीते दिन राज्य के हाथरस जिले में 43 स्र्बारिश हुई है। इधर, बिहार के कई जिलों में देर रात से बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने मुजफ्फरपुर समेत राज्य के 19 जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई है। हिमाचल के

शिमला में बारिश से कई स्थानों पर लैंडस्लाइड हुआ है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में बादल फटा है। यह घटना धारचूला के सोबला गांव में हुई है। यहां घाटी का पुल बह गया और कई घरों को नुकसान पहुंचा है।

राजस्थान : 7 दिन के लिए एक्टिव होगा मानसून

राजस्थान में मानसून इस बार के मानसून में 29 दिन में ही पूरे इलाके को भिगो दिया। प्रदेश के पश्चिमी राजस्थान में इस बार सबसे ज्यादा बारिश हुई। श्रीगंगानगर और जोधपुर जैसे इलाकों में बचाव के लिए इस बार सेना को मोर्चा संभालना पड़ा। वहीं जुलाई में मानसून ने 11 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है, जब 266 मीमी बारिश हुई।

पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में इस बार इतनी बारिश अब तक हो चुकी है, जितनी बारिश पूरे मानसून सीजन में सामान्य तौर पर होती है। इससे पहले साल 2015 में 262 मीमी और साल 2017 में 252 मीमी बरसात जुलाई में होने का रिकॉर्ड बना था। अभी बारिश का दौर थम चुका है लेकिन बताया जा रहा है कि अगस्त के शुरुआती सप्ताह में सात दिन के लिए मानसून दोबारा एक्टिव होगा।

एमपी : 3 दिन बाद फिर झमाझम

मध्यप्रदेश में तीन दिन यानी, 2 अगस्त से फिर झमाझम बारिश के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो नए सिस्टम के एक्टिव होने से सभी जिले फिर से भीग जाएंगे। इससे पहले ग्वालियर-जबलपुर, बुंदेलखंड और बघेलखंड में बारिश जारी रहेगी। रविवार को रीवा-शहडोल संभाग में तेज बारिश होने के आसार हैं, जबकि इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर और सागर में बौछारें गिरेंगी। पिछले सप्ताह प्रदेशभर में हुई तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर रहे। इससे कई जिलों में बाढ़ के हालात बने और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ा। एक बार फिर तेज बारिश होने की संभावना है।

बिहार : 19 जिलों में भारी बारिश अलर्ट

पटना समेत बिहार के कई जिलों में देर रात से बारिश का दौर जारी है। इधर मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है। विभाग ने मुजफ्फरपुर समेत राज्य के 19 जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई है। वहीं, पटना समेत अन्य 19 जिलों में हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया। पूरे बिहार में बादल गरजने और बिजली चमकने की भी संभावना है।

अगले 25 साल कर्तव्य काल की तरह मनायें : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान 13 अगस्त से 15 अगस्त तक लोगों से घर घर तिरंगा फहराने और आज़ादी के शताब्दी वर्ष तक अगले 25 साल का अमृतकाल हर देशवासी के लिए कर्तव्यकाल के रूप में काम करने का आज आह्वान किया।

मोदी ने आज यहां आकाशवाणी में अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 91वें संस्करण में कहा कि इस बार 'मन की बात' बहुत खास है। इसका कारण है, इस बार का स्वतंत्रता दिवस, जब भारत अपनी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे करेगा। हम सभी बहुत अद्भुत और ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं। ईश्वर ने ये हमें बहुत बड़ा सौभाग्य दिया है। उन्होंने कहा, आप भी सोचिए, अगर हम गुलामी के दौर में पैदा हुए होते, तो, इस दिन की कल्पना हमारे लिए कैसी होती? गुलामी से मुक्ति की वो तड़प,

पराधीनता की बेड़ियों से आज़ादी की वो बेचैनी – कितनी बड़ी रही होगी। वो दिन, जब हम, हर दिन, लाखों-लाख देशवासियों को आज़ादी के लिए लड़ते, जूझते, बलिदान देते देख रहे होते। जब हम, हर सुबह इस सपने के साथ जग रहे होते, कि मेरा हिंदुस्तान कब आज़ाद होगा और हो सकता है हमारे जीवन में वो भी दिन आता जब वंदेमातरम और भारत माँ की जय बोलते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए, अपना जीवन समर्पित कर देते, जवानी खपा देते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 31 जुलाई यानी आज ही के दिन, हम सभी देशवासी, शहीद उधम सिंह जी की शहादत को नमन करते हैं। ऐसे अन्य सभी महान क्रांतिकारियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित है जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि ये देखकर बहुत खुशी होती है कि आज़ादी का अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। सभी क्षेत्रों और समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़े अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम इस महीने की शुरुआत में मेघालय में हुआ। मेघालय के बहादुर योद्धा, यू. टिरोत सिंह जी की पुण्यतिथि पर लोगों ने उन्हें याद किया। टिरोत सिंह जी ने खासी हिल्स पर नियंत्रण करने और वहाँ की संस्कृति पर प्रहार करने की अंग्रेजों की साजिश का जमकर विरोध किया था। इस कार्यक्रम में बहुत सारे कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुतियाँ दी। इतिहास को ज़िंदा कर दिया।

अब नहीं होगी शराब की किल्लत, दिल्ली सरकार ने निजी दुकानों को दिया 2 माह का एक्सटेंशन

एजेंसी

नई दिल्ली। शराब विक्रेताओं और शराब के शौकीनों के लिए राहत की खबर है।

दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने राजधानी में देशी शराब बेचने वाली सभी शराब की दुकानों को दो और महीने का एक्सटेंशन देने का आदेश रविवार रात को जारी कर दिया।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली में एक अगस्त से निजी शराब की दुकानों के बंद होने से शराब की किल्लत के मद्देनजर केजरीवाल सरकार नई आबकारी नीति को एक महीने बढ़ाते हुए एल-3/33 लाइसेंस के तहत देशी शराब की बिक्री के लिए लाइसेंस अवधि को 30.09.2022 तक बढ़ा दिया है। आबकारी विभाग के महाप्रबंधक अजय कुमार गंभीर द्वारा जारी किए गए आदेश में इसकी जानकारी दी गई है।

सर्कुलर में कहा गया है कि दिल्ली में देशी शराब की आपूर्ति के लिए एल-3/33 लाइसेंस को दो महीनों की एक और अवधि के लिए अर्थात 01.08.2022 से 30.09.2022 तक या निविदा को अंतिम रूप देना, जो भी पहले हो बढ़ाने के संबंध में सूचित किया जाता है।

L-3 लाइसेंसधारी जो अपने पंजीकृत ब्रांडों की मौजूदा कीमत पर बिक्री करने के लिए 01.08.2022 से 30.09.2022 तक दो महीने की इस विस्तार अवधि का लाभ उठाने के इच्छुक हैं, उन्हें दो महीने का शुल्क यानी लाइसेंस शुल्क, बीडब्ल्यूएच शुल्क और जमा करना होगा। हालांकि, ऐसा गैर-नवीकरणीय लाइसेंस रखने वाला कोई भी व्यक्ति अपने लाइसेंस का विस्तार करने के लिए इस तरह के प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

दिल्ली में चल रहीं शराब की 468 निजी दुकानों का लाइसेंस 31 जुलाई को समाप्त हो रहा था।

इसके मद्देजनर दिल्ली सरकार ने सरकार सभी निजी शराब की दुकानों को एक और महीने के लिए खोलने की अनुमति दे दी है क्योंकि सरकारी शराब की दुकानों को शुरू होने में अभी एक और महीना लग सकता है।

राजस्थान : हौद में डूबने से 5 भाई-बहनों की मौत

एक-दूसरे को बचाने में गई जान, परिवार की महिलाओं के साथ गुड्डी पूजन को गए थे

श्रीगंगानगर। हौद (डिग्गी) में डूबकर एक ही परिवार के 5 बच्चों की मौत हो गई। इनकी उम्र 8 से 13 साल के बीच थी। ये सभी आपस में चचरे भाई-बहन थे। किनारे पर खेल रहे एक बच्चे का पैर फिसला। वह पानी में चला गया। उसे बचाने के चक्कर में एक-एक कर बाकी चारों बच्चे भी गहरे पानी में चले गए और डूब गए। पास से गुजर रहे ग्रामीण ने शव तैरता हुआ देखा। उसने घरवालों को खबर दी। पूरे घर में कोहराम मच गया। मरने वालों में सगे भाई-बहन शामिल हैं। मामला श्रीगंगानगर के रामसिंहपुर का है। रविवार दोपहर रामसिंहपुर इलाके के गांव पांच यूडीएम (उदासर) में

दर्दनाक हादसा हुआ। बच्चे श्रावणी तीज पर परिवार की महिलाओं के साथ गुड्डी पूजन के लिए डिग्गी के पास गए थे।

महिलाएं वहां से लौट गईं, लेकिन बच्चे वहीं रुक गए। बच्चे खेलते-खेलते डिग्गी के पास पहुंच गए। इस दौरान एक किसान ने उन्हें डिग्गी से दूर भी किया। कुछ देर बाद बच्चे फिर से वहीं चले गए। अचानक एक बच्चे का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए दूसरा बच्चा डिग्गी की ओर बढ़ा, वह भी डूब गया। इसी तरह एक-एक कर पांचों डिग्गी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

सगे भाई-बहन की भी जान गई

पांचों बच्चे मजदूर परिवारों के थे। इनमें भावना (10) पुत्री गोरधन, निशा (11) पुत्री विनोद, आशीष (10) पुत्र अनिल, राजेश (8) पुत्र गोरधन और अंकित (9) पुत्र संदीप शामिल हैं। अंकित, आशीष, भावना, राजेश और निशा भाई-बहन थे। इनमें राजेश और भावना सगे भाई-बहन थे। बाकी तीनों बच्चे कजिन थे। हादसे ने राजेश और भावना के परिवार को तोड़कर रख दिया है।

इनके पिता गोरधन का रो-रोकर बुरा हाल था। गोरधन के परिवार में राजेश, राकेश और भावना तीन बच्चे थे। इनमें राजेश और राकेश जुड़वा थे। भावना इनकी इकलौती बहन थी। हादसे के बाद राकेश ही बचा है। भाइयों की जोड़ी तो टूटी ही, इन्हें राखी बांधने वाली इनकी बहन भावना भी अब दुनिया में नहीं रही है।

जानकारी मिलते ही पहुंचे मौके पर

घटना की जानकारी मिलते ही बच्चों के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। तब तक ग्रामीण बच्चों के शव निकालने में लगे हुए थे। बच्चों के शव देखकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची रामसिंहपुर पुलिस ने शव कब्जे में लिए और उसे रामसिंहपुर के सरकारी हॉस्पिटल ले गए।

100 करोड़ का ठग निकला बीएसएफ का रसोइया

12वीं पास ने दस साल में खड़ी की तीन कंपनी; गिफ्ट में देता था महंगी बाइक

जोधपुर। हजारों लोगों से 100 करोड़ ठगने वाले एक शातिर अपराधी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। दस साल से पुलिस को चकमा देकर देश के अलग-अलग राज्यों में फ्रॉड करने वाला यह आरोपी जोधपुर का रहने वाला है। चिटफंड, ई-कॉमर्स और मल्टीलेवल मार्केटिंग के जरिए लोगों का पैसा डबल करने का झांसा देने वाला यह आरोपी सीमा सुरक्षा बल में रसोइया भी रह चुका है।

कई तरह की कंपनियां बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाने वाले इस आरोपी पर राजस्थान के अलावा, दिल्ली और हरियाणा में भी केस दर्ज हैं।

जोधपुर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने बताया कि बालेसर के रहने वाले ओमाराम को 29 जुलाई को दिल्ली क्राइम बांच ने रोहिणी से फ्रॉड के

मामले में पकड़ा था। फर्जी पहचान से दिल्ली में छुपे ओमाराम पर राजस्थान के तीन से ज्यादा जिलों में 58 केस दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि ओमाराम ने 2007 में BSF छोड़ ठगी करना स्टार्ट किया।

जिला ग्रामीण एसपी अनिल कयाल ने बताया कि बालेसर थाने में 4 प्रकरण में ओमाराम फरार है। ओमाराम मिताशी कंपनी के माध्यम से ठगी की है। उन्होंने बताया कि इन मामलों में प्रोडक्शन वारंट के माध्यम से ओमाराम को गिरफ्तार कर जोधपुर लाया जाएगा।

फिलहाल कई मामलों में सीकर पुलिस पूछताछ कर रही है। मिताशी फ्रॉड मामले में ओमाराम के सहयोगियों के खिलाफ भी जोधपुर जिले में चार मामले दर्ज हैं।

सीकर में 10 मामले दर्ज

सीकर में ओमाराम के खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं। सीकर पुलिस दिल्ली से प्रोडक्शन वारंट पर आरोपी को सीकर लाई है। साल 2011 में शहर के कई लोगों को कंपनी चेन सिस्टम में रुपयों और गिफ्ट का लालच देकर लाखों रुपए ऐंठ चुका था। मामले में आरोपी ओमाराम के खिलाफ कोतवाली थाने में करीब 10 मामले दर्ज हुए थे। जिसके बाद पुलिस को आरोपी की तलाश थी।

ओमाराम ने मिताशी नाम से कंपनी बनाई हुई थी। जो प्रति व्यक्ति से 4000 रुपए लेता और पैसे डबल करने की बात करता था। साथ ही मेंबर बनाने पर उन्हें मोटरसाइकिल गिफ्ट जैसे लालच देता था। आरोपी और उसके साथी होटलों में सेमिनार भी करवाते थे। जिसमें भी कई लोग झूठी कहानियां सुनाते। जिसके कारण शहर के कई लोग आरोपी ओमाराम के झांसे में आ गए।

सुमैया रौशन बनीं जीआईओ की पहली राष्ट्रीय अध्यक्ष

नयी दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिन्द (जेआईएच) के बालिका छात्र संगठन गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइज़ेशन (जीआईओ) ने कर्नाटक की एडवोकेट सुमैया रौशन को अपना पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना है। जीआईओ ने रविवार को यह जानकारी दी। जीआईओ ने यहां जारी एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देशभर में जीआईओ के राज्य परिषदों को संगठित करके पहली बार एक राष्ट्रीय महासंघ बनाया गया है। एडवोकेट रौशन जहां जीआईओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, वहीं केरल की समर अली को राष्ट्रीय महासचिव चुना गया है। रौशन ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा,ऐसे कई संगठन हैं जो महिलाओं के लिये काम कर रहे हैं, लेकिन जीआईओ का काम राज्य स्तर पर भी बाकी सब से अलग रहा है।

6 राज्यों में एनआईए की छापेमारी: आईएसआईएस मॉड्यूल को लेकर की रेड

देवबंद से मदरसा स्टूडेंट अरेस्ट; 3 दिन पहले बिहार के 6 जिलों में की थी कार्रवाई

नई दिल्ली। आतंकी संगठन आईएसआईएस के मॉड्यूल को लेकर एनआईए ने 6 राज्यों में छापेमारी की है। महाराष्ट्र, यूपी, गुजरात, बिहार, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में रेड डाली है।

इन राज्यों में 13 बिल्डिंग्स ऐसी हैं, जहां NIA की टीम पहुंची है। टीम को संदिग्ध सामान मिला है, हालांकि एजेंसी की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

गुजरात के 4 जिलों में रेड

NIA ने 25 जून को IPC की धारा 153 ए और 153बी और अधिनियम की धारा 18, 18 बी, 38, 39 और 40

के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले में एजेंसी ने एमपी के भोपाल और रायसेन, गुजरात के भरूच, सूरत, नवसारी और अहमदाबाद जिले में, बिहार के अररिया, कर्नाटक के भटकल और तुमकुर शहर, महाराष्ट्र के कोल्हापुर और नांदेड़ और यूपी में देवबंद जिले में छापेमारी की है।

यूपी से एक संदिग्ध अरेस्ट

यूपी के सहारनपुर में NIA और ATS टीम ने देवबंद से एक संदिग्ध युवक को अरेस्ट किया है। युवक का नाम फारुख बताया जा रहा है। वह कई भाषाओं का जानकार है, जो देवबंद के एक मदरसे में काफी समय से रहकर पढ़ाई कर रहा था। युवक कर्नाटक के आईएस आतंकी मॉड्यूल के संपर्क में था और टेलिग्राम के माध्यम से आतंकी साहित्य का कई भाषाओं में ट्रांसलेशन करता था। NIA उसे अपने साथ किसी गोपनीय जगह पर ले गई है। आगे पूछताछ की जा रही है।

देश में कोरोना से बीते एक दिन में 39 लोगों की मौत, 19,336 हुए ठीक

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के घटते बढ़ते मामलों के बीच बीते 24 घंटे में इस बीमारी से 39 लोगों की मौत हुई हैं। वहीं इससे 19,336 लोग ठीक हुए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 204.25 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं, जबकि पिछले 24 घंटे में 31,36,029 टीके लगाए गए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 19,673 नये मामले सामने आये हैं। इसी के साथ ही, देश में इस बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या बढ़कर 4,53,12, 311 हो गयी है। इस दौरान 19,336 लोगों के ठीक होने के साथ स्वस्थ्य होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,33,49,778 हो गई है। इस बीच 39 और मरीजों की मौत होने से इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 526357 हो गयी है।

देश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने के साथ साप्ताहिक संक्रमण दर 4.88 प्रतिशत हो गयी है, जबकि दैनिक संक्रमण 4.96 फीसदी है। रिकवरी दर 98.48 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में 3,96,424 कोविड परीक्षण किये गये हैं और अब तक कुल 87,52,07 621 करोड़ लोगों का कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

देश में इस अवधि में 37 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में से जहां 17 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना सक्रिय मामले बढ़े हैं। इस समय देश में 143676 सक्रिय मामले है।

पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटों में 1304 सबसे अधिक कोरोना सक्रिय मामले घटकर 16699 रह गये हैं और इससे निजात पाने वालों की संख्या 2054822 हो गयी है। इस महामारी से सात और मरीजों की मौत होने से अभी तक राज्य में 21359 लोगों की मौत हो चुकी है।

कैश कांड

तीनों विधायक कांग्रेस से निकाले गए; 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजे गए

झारखंड कैश कांड में 3 विधायकों समेत 5 अरेस्ट

रांची। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में शनिवार को कांग्रेस के तीन विधायकों को 48 लाख कैश के साथ पकड़ा गया था। हावड़ा पुलिस ने मामले में तीनों विधायकों समेत एसयूवी के ड्राइवर और एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। हावड़ा की स्क्र स्वाति भंगालिया ने बताया कि पांचों कों आज कोर्ट में पेश किया गया। तीनों को 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

उधर, झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने बताया कि तीनों कांग्रेसी विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया है। इरफान अंसारी (जामताड़ा), राजेश कच्छप (खिजरी) और नमन विक्सल कोंगाड़ी (कोलेबिरा) के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

कांग्रेस के बेरमो विधायक अनूप सिंह उर्फ कुमार जयमंगल सिंह ने रविवार को सुबह 11 बजे प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के साथ अरगोड़ा थाने में तीनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जयमंगल ने आरोप लगाया कि तीनों विधायक कोलकाता के रास्ते गुवाहाटी जाने वाले थे।

जहां उनकी मुलाकात असम के ष्टरूहेमंत बिस्व सरमा से होनी थी। इन्हें सरकार गिराने के बाद 10 करोड़

रुपए और मंत्री पद ऑफर किया गया था। हालांकि सरमा ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा- मैं कांग्रेस में 22 साल रहा। कई टॉप नेताओं से बातचीत होती रहती है।

हालांकि, पार्टी ने पहले बयान दिया था कि भाजपा का ऑपरेशन लोटस बेनकाब हो गया है। झारखंड में भाजपा विपक्ष में है और झारखंड मुक्ति मोर्चा सबसे बड़ी पार्टी है। उसने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई है। उधर, इन विधायकों में से एक के करीबी ने कहा है कि 40-50 लाख रुपए में सरकार नहीं गिराई जा सकती है।

कैश का असम कनेक्शन, दिल्ली में भाजपा से मीटिंग

पुलिस ने अभी कैश के सोर्स का खुलासा नहीं किया है। कुछ रिपोर्ट्स में कांग्रेस सूत्रों के हवाले से ही दावा किया जा रहा है कि इस कैश का असम कनेक्शन है। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले ही झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व अध्यक्ष की असम के एक कद्दावर बीजेपी नेता से मुलाकात हुई थी।

यह बैठक दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल के बंद कमरे में हुई थी। उस मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता के बेटे भी उनके साथ थे। पार्टी सूत्रों का दावा है कि मीटिंग के बाद से कांग्रेस नेता ने खामोशी से अपनी बिसात बिछाई। उसमें प्राथमिक तौर पर कांग्रेस के पांच विधायक शामिल हुए। उनमें से तीन शनिवार देर रात कोलकाता पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

शार्ट न्यूज

श्रीनगर में की गई अमरनाथ की छड़ी स्थापना

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में बादशाह चौक स्थित अखाड़ा भवन स्थित श्री अमरेश्वर मंदिर में रविवार को बाबा अमरनाथ की छड़ी-मुबारक (चांदी की गदा) की 'छड़ी स्थापना' की गयी। छड़ी मुबारक के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरी के नेतृत्व में साधुओं के एक समूह ने लगभग दो घंटे तक श्री अमरेश्वर मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। छड़ी-मुबारक, एक भगवान शिव और दूसरी देवी पार्वती का चित्रण करने वाला, तीर्थयात्रा के मुख्य पाठ्यक्रम के लिए ले जाने से पहले सात अगस्त तक 'दर्शन' के लिए अखाड़ा भवन श्रीनगर के मंदिर में रखा जाएगा। एक बयान में कहा गया है कि तीर्थयात्री और आम जनता को मंदिर में पवित्र गदा के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में 'नाग-पंचमी' (श्रवण शुक्ल पक्ष पंचमी) के अवसर पर मंगलवार दो अगस्त को पारंपरिक 'छड़ी-पूजन' किया जाएगा। महंत गिरी द्वारा 2004 में स्थापित ट्रूट्रस्ट ने वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान अमरनाथ यात्रा के छड़ी-मुबारक में शामिल होने के लिए देश भर से आने वाले साधुओं और जरूरतमंदों के लिए उनके भोजन, टेंट आवास और परिवहन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की गयी है।

कठुआ में घर ढहने से भाई-बहन की मौत

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले की बिल्लावर तहसील में रविवार सुबह मिट्टी का मकान गिरने से भाई-बहन की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पायल गांव में बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ ने मिट्टी के घर को चपेट में ले लिया। उन्होंने कहा कि घटना के समय इसाक अली (पांच) और उसकी बहन रजीना (2) घर के अंदर थे। पुलिस ने कहा कि वे दोनों मलबे के नीचे दब गए। शवों को घटनास्थल से बरामद कर लिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज कुमार ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि बिल्लावर में मकान ढहने से निर्दोष लोगों की मौत अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने कठुआ जिला प्रशासन को प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

सात बच्चों ने कुत्तों, अनाथ और ट्रांसजेंडर के लिए दस लाख रुपये जुटाए

हैदराबाद। तेलंगाना में लगभग 17 साल के छात्रों ने चार गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) विभाग फाउंडेशन, एवरी पॉ मैटर्स, विश्वास और आरा के नेतृत्व में धर्मार्थ कार्यों के लिए धन जुटाने के लिए मैराथन और डॉगथॉन का आयोजन किया है। यह जानकारी रविवार को यहां दी गई है। इस कोष का उपयोग आवारा कुत्तों , मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से पीड़ित लोगों की देखभाल के लिए किया जाएगा, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों और अनाथों में तथा महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए किया जायेगा। डोगथॉन का आयोजन पहली बार तेलुगु राज्यों में किया गया। दोनों कार्यक्रमों को डीसीपी (यातायात) टी श्रीनिवास राव ने रविवार सुबह शहर के माधापुर में इनऑर्बिट मॉल के सामने कोहेनूर के पास हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री निवास राव ने इस अवसर कहा कि यह देखना बहुत प्रेरणादायक है कि ये किशोर सामाजिक रूप से कितने जागरूक हैं। वंचितों, वरिष्ठ नागरिकों, आवारा कुत्तों के प्रति उनकी चिंता और जागरूकता काबिले तारीफ है। साइबराबाद को हमेशा नवीन कार्यक्रमों और पहलों के आयोजन के लिए जाना जाता है। अनन्या जैन, अश्मित तैनवाला, अन्वेषना गुप्ता, आशी पांडे, अर्शिया कुमार, प्रणव वर्मा और श्रेयांस कदियाला, लगभग 17 और 18 साल के ये छात्र एक साथ आए हैं और इन्होंने -हार्ट एंड सोल रन 2022- नामक शो से दस लाख रुपये (दान से पांच लाख रुपये और आयोजन से पांच लाख रुपये) जुटाए।

विकास की बजाए विनाश के कगार पर पहुंचा हरियाणाः अभय चौटाला

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो शासनकाल के बाद से हरियाणा में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी-जननायक जनता पार्टी (जजपा) गठबंधन सरकार ने प्रदेश के विकास में एक नई ईंट भी नहीं लगाई जिससे प्रदेश विकास की बजाए विनाश के कगार पर है। श्री चौटाला रविवार को रानियां हलके के अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तीसरे दिन गांव केहरवाला, मम्मड़, सादेवाला, मत्तुवाला, ढुढियांवाली, सेनपाल, सेनपाल कोठा, नथोर, बचेर, करीवाला व बणी सहित करीब दो दर्जन गांवों में ग्रामीण जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिलेभर में बरसात के कारण पूरा शहर जलमग्न है और लोगों को खासी दिक्कतों से दोचार होना पड़ रहा है मगर शासन प्रशासन गहरी नींद में हैं। शहरभर में जल जमाव होने से लोगों के काम धंधे पूरी तरह ठप होकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्तापक्ष हर मोर्चे पर पूरी तरह से विफल है। केंद्र सरकार की ओर से जारी की गई नई शिक्षा नीति का यह परिणाम है कि लाखों शिक्षित बच्चे रोजगार की तलाश में हैं मगर उन्हें रोजगार की बजाए नए शोधों के लिए ही प्रेरित किया जा रहा है। किसानों के हितों के लिए कोई हितकारी योजना लागू न होने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है। हरियाणा के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए किसी प्रकार की कोई योजना न होने के कारण लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए भी परेशान हैं।

सिरसा में किसानों ने मोदी सरकार का पुतला फूंककर जताया रोष

सिरसा। हरियाणा के सिरसा में किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत शहीद उधम सिंह जयन्ती पर श्रद्धांजली देते हुए वादाखिलाफी दिवस मनाया। सिरसा में संयुक्त किसान मोर्चा के घटक अखिल भारतीय किसान सभा , किसान संघर्ष समिति हरियाणा , भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां और किसान सभा से जुड़े सैंकड़ों किसान भावदीन टोल प्लाजा पर इक्टट्ठे हुए और मोदी सरकार पर किसानों से धोखा करने और वायदा खिलाफी का आरोप लगाते हुए सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक विरोध सभा आयोजित की। विरोध प्रदर्शन करते हुए पर राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर धरना स्थल पर ही मोदी सरकार का पुतला फूंका । इस अवसर पर किसानों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मांगे तुरंत नहीं मानी गई तो पहले की तरह पड़ाव डालकर दिल्ली में सरकार को घेरा जाएगा। रोष सभा की अध्यक्षता करते हुए किसान सभा के वरिष्ठ नेता स्वर्ण सिंह विर्क ने कहा कि शहीद उधम सिंह ने जलियाँ वाला बाग हत्याकांड का बदला इंगलैंड जाकर सर माइकल एडवायर को मारकर लिया था और आज के दिन उनको फांसी हुई थी । आजादी के 75 वर्षों के बाद भी उनके सपनो का समाजवादी भारत जिसमें सभी को शिक्षा , स्वास्थ्य और रोजगार मिले , किसानों मजदूरों की बेहतरी हो नहीं बन पाया है। विर्क ने कहा कि किसानों और मजदूरों का राज आने के बाद ही शहीदों के सपनों का देश बन सकता है। कामरेड विर्क ने कहा कि मोदी सरकार संयुक्त किसान मोर्चे से हुए समझौते से मुकर गई है। सरकार ने मांगे पूरी नहीं की तो फिर से आन्दोलन तेज किया जाएगा।

सिरसा में बारिश से गलियां हुई लबालब

सिरसा। हरियाणा के सिरसा में पिछले चार रोज से ठहर-ठहर कर हो रही बारिश से शहर की गलियों व निचले इलाकों में जलभराव हो गया जिससे जनमानस को भारी दिक्कत झेलनी पड़ी। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में हुई बारिश से फसलों में अधिक जलभराव ही गया है जो फसल के लिए हानिकारक माना जा रहा है। अधिक बारिश होने के कारण दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। पूर्व लोकसभा सांसद एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. अशोक तंवर रविवार को आधे घंटे की तेज बरसात के बाद तालाब बने शहर का जायजा लेने गहरे पानी में उतर गए। उन्होंने ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल पर जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। लोगों ने डॉ. तंवर से जलभराव और अन्य समस्याओं का जिक्र करते हुए उनसे इसमें हस्तक्षेप की बात की। डॉ. तंवर ने कहा कि सिरसा को पेरिस और लंदन बनाने की घोषणा करने वाले नेता आज कहां गायब हैं। सैंकड़ों जगह सडकों पर 2-2, 3-3 फुट पानी जमा है। गलियों का बुरा हाल है।

ईडी ने संजय राउत को हिरासत में लिया, पात्रा चॉल मामले में हो रही पूछताछ

उद्धव ठाकरे बोले, हो सकती है संजय राउत की गिरफ्तारी

बता दें कि इस मामले में ईडी ने संजय राउत को समन भेजा था लेकिन वह पेश नहीं हुआ थे। मामला 1034 करोड़ के पात्रा चॉल लैंड स्कैम से जुड़ा है। संजय राउत ने संसद के मानसून सत्र का हवाला देते हुए पूछताछ के लिए पेश होने से इनकार कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हिम्मत है तो एजेंसी उन्हें गिरफ्तार कर ले। सुबह संजय राउत ने भी ट्वीट कर कहा था, झूठी कार्रवाई, झूठा सबूत, मैं शिवसेनानहीं छोड़ूंगा, मैं मर भी जाऊं तो सरेंडर नहीं करूंगा, जय महाराष्ट्र, महाराष्ट्र और शिवसेना की लड़ाई जारी है।

एजेंसी

मुंबई। ईडी ने संजय राउत को हिरासत में ले लिया है। आज सुबह 7 बजे से ही ईडी की टीम छापेमारी कर रही थी। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम संजय राउत को लेकर दफ्तर ले जाएगी और वहां पूछताछ होगी। ईडी तीन जगहों पर आज छापेमारी कर रही थी और दस्तावेज खंगाल रही थी।

बता दें कि इस मामले में ईडी ने संजय राउत को समन भेजा था लेकिन वह पेश नहीं हुआ थे।

मामला 1034 करोड़ के पात्रा चॉल लैंड स्कैम से जुड़ा है। संजय राउत ने संसद के मानसून सत्र का हवाला देते हुए पूछताछ के लिए पेश होने से इनकार कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हिम्मत है तो एजेंसी उन्हें गिरफ्तार कर ले। ईडी ने इसी डीएचएफएल-येस बैंक के मामले में पुणे के कारोबारी अविनास भोसले को हिरासत में लिया है। इस मामले में भी ईडी संजय राउत से भी पूछताछ करना चाहती है।

दावा किया जा रहा हैकि डीएचएफएल केस भी पात्रा चॉल केस से जुड़ा हुआ है। अप्रैल में ईडी ने संजय राउत से जुड़ी 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली थी।

वित्त मंत्री के पिता की पुण्यतिथि पर धामी सहित दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित विभिन्न वरिष्ठ समाजसेवी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पदाधिकारियों ने रविवार को देहरादून के डोईवाला में स्व0 हरज्ञान चंद अग्रवाल सरस्वती शिशु, विद्या मंदिर में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के पिता एवं विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय मांगे राम अग्रवाल की 19वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय मांगे राम अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण किया एवं विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले लोगो को सम्मानित भी किया।

धामी ने डोईवाला विधानसभा के केशवपुरी में संस्कार केंद्र की चार दिवारी का निर्माण कार्य किए जाने एवं क्रीडा क्षेत्र में क्रीड़ा मैदान बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मांगे राम अग्रवाल ने संपूर्ण जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने इस क्षेत्र के अंतिम छोर पर खड़े लोगों को हमेशा आगे लाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मांगेराम जी के पुत्र प्रेम चंद्र अग्रवाल के अंदर भी वही ललक दिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मांगे राम अग्रवाल के सपनों के अनुरूप सरकार लगातार जन सेवा का कार्य कर रही है।

धामी ने कहा कि हंस फाउंडेशन ने हमेशा सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जन सेवा का कार्य किया है। कोरोना काल में हंस फाउंडेशन द्वारा गरीबों की मदद की गई एवं मरीजों तक ऑक्सीजन सिलिंडर, दवाइयॉ पहुचाई गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोरोना पर पूरी तरीके से नियंत्रण किया।

नये खतरों को खत्म करने के लिए अधिक प्रतिबद्धता के साथ काम करें : सिन्हा

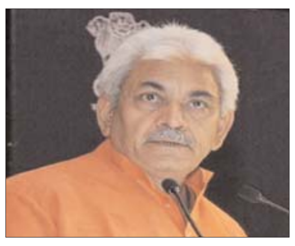

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा है कि सुरक्षा बलों को उभरते नए खतरों को कम करने के लिए अधिक प्रतिबद्वता के साथ काम करने की जरुरत है। सिन्हा ने कहा कि बलों को इस तरह की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने की जरुरत है। उपराज्यपाल ने मणिगाम पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में जम्मू-कश्मीर पुलिस कांस्टेबलों के सत्यापन सह पासिंग आउट परेड में भाग लेने के बाद ट्वीट में कहा कि हमें विध्वंसक तत्वों द्वारा उत्पन्न नए उभरते खतरों को खत्म करने के लिए अधिक प्रतिबद्धता के साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, ड्रग सिंडिकेट और आतंकवाद विरोधी अभियानों के खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी के साथ-साथ सर्वांगीण विकास और शांति के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करके नागरिकों का विश्वास जीता है। उपराज्यपाल ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस अपने कौशल, समर्पण, गतिशीलता और देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के संकल्प के साथ बेहतर आंतरिक सुरक्षा तंत्र के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। उन्होंने ट्वीट किया, भर्ती हुए लोगों को सर्वागीण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को बधाई।

राज्यसभा में हंगामे पर वेंकैया नायडू की नाराजगी

कहा-काम में बाधा संसदीय लोकतंत्र का विनाश

नई दिल्ली। मानसूत्र सत्र के पहले सप्ताह के मुकाबले दूसरे सप्ताह में कामकाज 26.90 प्रतिशत से गिरकर 16.49 प्रतिशत पर पहुंच गया। राज्यसभा में विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। हंगामे के कारण 23 सदस्यों को निलंबित भी किया जा चुका है। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू हंगामे और व्यवधान पर यह कहते हुए अपनी नाखुशी जता चुके हैं कि कि व्यवधान संसदीय लोकतंत्र का विनाश है।

कामकाज में 21.58 फीसदी की गिरावट

अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पहले दो सप्ताह के दौरान राज्यसभा के कामकाज में 21.58 प्रतिशत की गिरावट आई है। राज्यसभा सचिवालय ने बताया कि अब तक हुई 10 बैठकों में राज्यसभा में 11 घंटे और आठ मिनट काम हुआ, जबकि 51 घंटे और 35 मिनट का कामकाज निर्धारित था। इसका मतलब है कि 40 घंटे और 45 मिनट हंगामा और व्यवधान में बर्बाद हो गए। अभी तक इस सत्र में एक भी विधेयक पारित नहीं कराया जा सका है।

सामूहिक संहार के आयुध और उनकी परिदान प्रणाली (विधि विरुद्ध क्रियाकलाप का प्रतिषेध) संशोधन विधेयक पर चर्चा पूरी होना बाकी है।

छह दिन नहीं हो पाया प्रश्नकाल

इस सत्र के पहले दो सप्ताहों में अभी तक शून्य काल के तहत कोई मामला नहीं उठाया जा सका। आठ दिन एक भी विशेष उल्लेख नहीं उठाया जा सका और छह दिन प्रश्न काल नहीं हो सका।

सदन में बार-बार हो रहे हंगामे के मद्देनजर अपनी चिंता प्रकट करते हुए नायडू ने हाल ही में कहा था कि विरोध की राजनीति का संसद और राज्य की विधानसभाओं के कामकाज पर असर नहीं पड़ने देना चाहिए।

हैदराबाद के नए सांसदों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि मतभेदों को दूसरों की राय सुनने की क्षमता पैदा करके बहस और चर्चा के जरिये सुलझाया जाना चाहिए, लेकिन जरूरी नहीं कि उनसे सहमत ही हुआ जाए।

कई बार बाधित हुई है कार्रवाई

राज्यसभा के सभापति ने कहा कि सरकार और विपक्ष, दोनों पर सदन के सुचारू एवं प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से आवश्यक वस्तुओं पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी), महंगाई और अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। विपक्षी दलों के प्रदर्शन के कारण राज्यसभा और लोकसभा से कई सदस्यों को निलंबित भी किया गया है।

लड़के ने यूट्यूब वीडियो देखकर बनाई शराब; पीते ही उल्टी करने लगा दोस्त, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 12 साल के लड़के ने यूट्यूब पर वीडियो को देखकर अंगूर से शराब बनाई, जिसे उसने अपने दोस्त को पिला दी। इससे उसकी तबीयत का काफी बिगड़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, शराब पीने के बाद उसने उल्टी करनी शुरू कर दी। बिगड़ती तबीयत देख उसे चिरायिनकीझू में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार की हुई। पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर

लिया है। पूछताछ के दौरान लड़के ने बताया कि उसने अपने माता-पिता की ओर से खरीदे अंगूर का इस्तेमाल कर शराब बनाई थी।

शराब बनाकर जमीन के नीचे दबा दी थी बोतल

अधिकारी के मुताबिक, लड़के ने कहा कि उसने इसमें कोई अन्य एल्कोहोल नहीं मिलाया था। शराब बनाने के बाद उसने यूट्यूब पर देखे गए एक वीडिया के अनुसार इसे एक बोतल में भरा और जमीन के नीचे दबा दिया। पुलिस ने बताया कि लड़के की मां को पता था कि वह शराब बनाने में हाथ आजमा रहा है, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

पुलिस ने जांच के लिए भेजा शराब का सैंपल

लड़के की ओर से बनाई गई शराब का सैंपल पुलिस टीम ने इकट्ठा किया और कोर्ट की इजाजत से उसे केमिकल जांच के लिए भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि जांच के बात इसकी पुष्टि होगी कि आरोपी ने शराब में कोई दूसरा केमिकल मिलाया था या नहीं। अगर कोई मिलावटी चीज पाई जाती है तो किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

हिमाचल में वनों की आग के 2501 मामले, 5.75 करोड़ की संपदा हुई खाक

शिमला। हिमाचल प्रदेश में वर्तमान गर्मी के सीजन में वनों की आग के 2501 मामले सामने आए है जिसमें 5.75 करोड की वन सम्पदा जलकर खाक हो गई है। वनों की आग से 16 हजार 381 हैक्टेयर एरिया प्रभावित हुआ है और चार हजार 91 पौधे भी आग की भेंट चढ़ गए है। वहीं 20 हजार 609 एरिया वन विभाग का प्रभावित हुआ है। बरसात से पहले तक 5 करोड 75 लाख 19 हजार 17 का नुकसान आंका गया है। हमीरपुर सर्कल में 260 मामले फायर सीजन में आगजनी के सामने आए हैं। जिसमें तीन लाख 60 हजार का नुकसान आंका गया है। इस बार के फायर सीजन में सबसे ज्यादा आगजनी के मामले धर्मशाला में 584 सामने आए है तो नुकसान की बात की जाए तो जिला चंबा में आगजनी के मामले 498 सामने आए है।

यूकेएसएससी पेपर लीक मामलाः पुलिसकर्मी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएससी) पेपर लीक मामले में उत्तराखंड पुलिस ने आज दो और लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को कल शनिवार को हिरासत में लिया गया था। दोनों आरोपियों की ओर से 11 अभ्यर्थियों को पेपर लीक कराया गया।

एसटीएफ की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया उनमें दीपक शर्मा पुत्र स्व0 श्याम सुंदर सिंह निवासी गली नंबर 4, जसपुर खुर्द, काशीपुर, उधमसिंह नगर व अंबरीश कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी खानपुर हरिद्वार है। अंबरीश कुमार पुलिस कर्मी है और उधमसिंह नगर पुलिस लाइन में तैनात है जबकि दीपक भी सरकारी पद पर तैनात है। कुमाऊं एसटीएफ ने इन दोनों को शनिवार को काशीपुर से हिरासत में लिया था और पूछताछ के लिये देहरादून ले गयी थी। एसटीएफ ने दीपक कुमार के घर पर छापा मारकर 3589000 रुपये नकद व दो चेक भी बरामद किये थे।

एसटीएफ को दोनों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं और पूछताछ के बाद दोनों के खिलाफ भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 व 34 के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया।

एसटीएफ को जांच में पता चला कि वीडियो भर्ती मामले में दोनों आरोपियों की ओर से कुल 11 अभ्यर्थियों को पेपर लीक किया गया था जिनसे आरोपियों ने 15-15 लाख रुपये वसूले थे।

कुछ अभ्यर्थियों की ओर से नकद पैसा दिया गया था जबकि कुछ की ओर से चेक दिये गये थे।

जेलों की जर्जर हालतः हाईकोर्ट ने सरकार को फिर दिखाया आइना, मांगी रिपोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने जेलों में सुधार के मामले में प्रदेश सरकार को एक बार फिर आइना दिखाया है और उसकी मांग को खारिज करते हुए तीन सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट पर पेश करने को कहा है। इस मामले में आगामी 23 अगस्त को सुनवाई होगी।

दरअसल उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने आठ दिसंबर, 2021 को एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए सरकार को प्रदेश की जेलों में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने और राजस्थान की तर्ज पर प्रदेश में ओपर एयर कैम्प (जेल) बनाने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये थे।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि बंदी हमारे समाज के अंग हैं और उनके भी मौलिक अधिकार हैं। उनके अधिकारों का सम्मान होना चाहिए। यही नहीं अदालत ने जेलों में सुधार को लेकर तेलंगाना के पूर्व जेल महानिरीक्षक वीके सिंह की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया था और कमेटी को राज्य की सभी जेलों का भौतिक सर्वे कर तीन महीने में सम्यक रिपोर्ट देने के निर्देश दिये थे। अदालत ने सरकार को कमेटी की रिपोर्ट पर छह महीने के अंदर अनुपालन के भी निर्देश दे दिये थे। अदालत ने अपने आदेश में सितारगंज स्थित सम्पूर्णनानंद केन्द्रीय जेल को राजस्थान माडल पर विकसित करने और हरिद्वार और देहरादून में ओपन एयर जेल का बनाने, जेलों के लिये पर्याप्त बजट जारी करने, आधुनिक सुविधायें मुहैया कराने और हैदराबाद की चेरापल्ली जेल की तर्ज पर बंदियों की स्किल बढ़ाने के लिये विभिन्न उपाय करने के निर्देश दिये थे। अदालत ने जेलों में खाली 407 पदों को भी भरने को कहा था।

मगर सरकार ने अदालत के आदेश का अनुपालन करने के बजाय पिछले सप्ताह एक प्रार्थना पत्र दायर कर आठ दिसंबर, 2021 को दिये गये आदेश के कुछ बिदुंओं को वापस लेने की मांग की। सरकार की ओर से कहा गया कि शीर्ष अदालत के 2013 के आदेश के अनुपालन में केन्द्र सरकार की ओर से भी जेलों के सुधार को लेकर एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया गया है और उक्त कमेटी सभी राज्यों की जेलों को लेकर एक रिपोर्ट पेश करेगी।

सरकार की ओर से उच्च न्यायालय की ओर से बनायी गयी कमेटी को वापस लेने की मांग करते यह भी कहा गया कि दोनों कमेटियों का उद्देश्य एक ही है।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में इस मामले में सुनवाई हुई और अदालत ने सरकार के रिकॉल (वापस) प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया गया।

देहरादून में तीन सड़क हादसे में छह की मौत

देहरादून। उत्तराखं के देहरादून जनपद में सुबह से ही रविवार काला दिन साबित हुआ जब तीन स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो युवक मिजोरम के हैं, जबकि गुजरात का एक युवक गम्भीर घायल है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना वसंत विहार अंतर्गत, बल्लीवाला फ्लाईओवर पर सुबह 6:15 बजे बिना नम्बर की एक टीवीएस अपाचे से दो युवक जा रहे थे।

तेज गति होने के कारण फ्लाईओवर के रेलिंग से टकरा गए जिन्हें गंभीर चोट आई। घायलों को सिनर्जी अस्पताल ले जाया गया। जहां मोटर साइकिल सवार विजय सेमवाल पुत्र

राजेंद्र प्रसाद सेमवाल, निवासी अपर बद्रीश कॉलोनी, लेन न0 02 धर्मपुर डांडा, उम्र 26 वर्ष को मृत घोषित किया गया।

उसके साथ सवार समीर पुत्र कीरत, मूल पता गुजरात उम्र 25 वर्ष, को गंभीर रूप से घायल अवस्था में एम्स अस्पताल रेफर किया गया।

दूसरी दुर्घटना कोतवाली पटेलनगर अन्तर्गत, जीएमएस रोड शनि मंदिर के पास आज सुबह 6:05 बजे हुई। जिसमें एक बाईक चालक गौतम द्वारा सड़क पार करने वाले एक व्यक्ति रघुवीर ठाकुर को टक्कर मारी गयी। बाइक में एक अन्य व्यक्ति पीछे बैठा था।

उक्त घटना में पैदल जा रहे रघुवीर ठाकुर पुत्र स्व0 लालसर ठाकुर, निवासी निरंजनपुर चक्की टोला, बिहार, 65 वर्ष, बाइक चालक गौतम पुत्र सिद्दोदन चकमा, निवासी कमला नगर 2, मिजोरम, आयु 22 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। गौतम दून पीजी कॉलेज में बीएससी का छात्र है। जबकि बाइक पर पीछे बैठे नियोन चकमा पुत्र नामालूम, निवासी कमला नगर थाना चौंगटे, मिजोरम उम्र 20 वर्ष, जो हिमगिरी कालिज, सेलाकुई देहरादून का छात्र है, ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। तीसरी घटना थाना त्यूणी अन्तर्गत हुई। जिसमें ग्राम अणु से करीब एक किलोमीटर आगे ग्राम अटाल की तरफ बिरसाड खड के पास एक बोलेरो पिकअप वाहन यूके-07सीडी-0843 सड़क से नीचे पहाडी में गिर गई। जिससे उसमें सवार किशोर सिंह चौहान पुत्र अब्बल सिंह चौहान निवासी दुचाणू पोस्ट टिकोची थाना मोरी, उत्तरकाशी, उम्र 25 वर्ष और पंकज कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी पुरानी कालसी थाना कालसी जनपद देहरादून, उम्र 40 वर्ष की मौत हुई है। यह वाहन टिकोची उत्तरकाशी से सेब लेकर जा रही थी।

आईआईटी-मद्रास में दूसरे वर्ष की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का प्रयास

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आईआईटी-एम) के विशाल परिसर से एक चौंकाने वाली घटना में एक अज्ञात व्यक्ति ने द्वितीय वर्ष की छात्रा का कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया, जिसके बाद संस्थान ने इसकी जांच शुरू की।

आईआईटी-एम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह घटना रविवार/सोमवार (24/25 जुलाई) के दरम्यानी सुबह के दौरान हुई। इसकी सूचना छात्र के एक मित्र द्वारा घटना के लगभग दो दिन बाद संस्थान को दी गई। संस्थान ने तुरंत जांच शुरू की व कैमरा फुटेज की जांच की और लगभग 300 लोगों की तस्वीरें साझा कीं, जो छात्र द्वारा दिए गए विवरण से मेल खाते थे।

बयान में कहा गया कि छात्रा ने अभी तक किसी की सकारात्मक पहचान नहीं की है। उस रात ड्यूटी पर तैनात 35 से अधिक संविदा कर्मियों की पहचान परेड भी आयोजित की गई। पर छात्रा अपने हमलावर की पहचान करने में असमर्थ थी।

आईआईटी-एम ने कहा कि परिसर के सभी गेट पर्याप्त रूप से सुरक्षित हैं और हर 100 मीटर पर एक सुरक्षा गार्ड तैनात किया गया है। संस्थान में फ्रेंड सिस्टम भी है और विषम समय में एक सुरक्षा कर्मचारी के साथ संस्थान में बस को बुलाने की सुविधा भी है।

छात्रा की पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में कोई दिलचस्पी नहीं है और संस्था द्वारा जांच अभी भी जारी है।

यह घटना तमिलनाडु की मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की उस चेतावनी के कुछ दिनों के बाद हुई जब उन्होंने ऐलान किया कि सरकार छात्राओं के शारीरिक और यौन उत्पीड़न के खिलाफ मूकदर्शक नहीं बनेगी तथा अपराधियों को कानून के अनुसार कड़ी सजा दी जाएगी।

शार्ट न्यूज

आम आदमी पार्टी के नेता हताश निराश हैं: प्रवीण शंकर कपूर

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की अपनी सरकार की भ्रष्ट आबकारी नीति की सी.बी.आई. जांच के आदेश एवं लोकायुक्त के द्वारा स्कूलों के कमरों के निर्माण मे घोटाले की जांच के आदेश के बाद आम आदमी पार्टी नेता हताश निराश हैं और अब अपने कार्यकर्ताओं एवं दिल्ली की जनता को दिल्ली में सम्पति कर में वृद्धि का झूठा प्रचार कर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। आज आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने विधायक दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में प्रदर्शन कर झूठा प्रचार किया की दिल्ली नगर निगम ने सम्पति कर में दुगने की वृद्धि की है जबकि सत्य है की दिल्ली नगर निगम ने रिहाइशी सम्पति कर दरों में कोई वृद्धि नही की है। केवल 175 गज से बड़ी कमर्शियल समपतियों पर लगभग 5 से 10 प्रतिशत की मामूली कर वृद्धि की गई है जो आम नागरिकों पर कोई असर नही डालेगी। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की आम आदमी पार्टी नेता आबकारी नीति एवं स्कूल कमरों के निर्माण में हुऐ घोटालों पर जनता के प्रति जवाबदेही से बचने के लियें नगर निगम के विरूद्ध झूठा प्रचार कर रहे हैं पर दिल्ली की जनता अब और गुमराह नही होगी। आगामी नगर निगम चुनाव में दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी को सबक सिखायेगी।

कारोबारी की पिटाई में 6 पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक डेयरी कंपनी के मालिक की शिकायत पर गाजियाबाद की अदालत ने तीन पुलिस अधिकारियों और तीन कॉन्स्टेबल्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। डेयरी कंपनी के मालिक ने अपनी शिकायत में कहा था कि आरोपी पुलिस कर्मियों द्वारा उनके खिलाफ एक फर्जी मामला दर्ज कर कथित तौर पर उनकी पिटाई की गई थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप चौधरी ने सिहानी गेट थाने के पूर्व एसएचओ मिथलेश उपाध्याय, दयानंद नगर पुलिस चौकी में तैनात दो सब-इंस्पेक्टर गौरव कुमार व विजय कुमार तथा तीन अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। पीड़ित कारोबारी विनोद कुमार ने आरोप लगाया था कि मुकेश वर्मा नाम के एक परिचित ने उससे दो मौकों पर कुल 11.72 लाख रुपये उधार लिए थे, लेकिन बाद में उसने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया और एक पुलिसकर्मी के साथ मिलकर उनके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा दी। विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि उन्हें हवालात में रखा गया, जहां उनकी पिटाई की गई और उनकी आंख में चोट आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनकी लाइसेंसी पिस्तौल और एक गाड़ी भी जब्त कर ली। विनोद ने कहा कि अपनी रिहाई के बाद उन्होंने अपने गाड़ी को छोड़ने के लिए अदालत में याचिका दायर की, लेकिन पुलिस ने कथित तौर पर अदालत को एक झूठी रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया था कि उनके पास वाहन नहीं था।

दिल्ली पुलिस के सिपाही को आजीवन कारावास, अपहरण के बाद की थी दोस्त की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सिपाही को साल 2008 में अपने एक दोस्त का अपहरण कर हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही उस पर 80 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की अदालत के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय सिंह पुंडीर ने दिल्ली पुलिस के एक सिपाही प्रदीप को उसके दोस्त जयवीर को अगवा कर उसकी हत्या करने के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 80 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामले की सुनवाई के दौरान एक आरोपी बिट्टू की मौत हो गई थी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष त्यागी ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल प्रदीप और उसके सहयोगी बिट्टू के खिलाफ मुजफ्फरनगर के भौराकलां थाना क्षेत्र के भौरा खुर्द निवासी जयवीर सिंह के अपहरण और हत्या के मामले में संबंधित धाराओं में 30 अक्टूबर 2008 को मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था। पुलिस में दर्ज शिकायत में मृतक जयवीर सिंह के भाई सोहनवीर सिंह ने आरोप लगाया था कि पैसे के विवाद को लेकर बिट्टू की मदद से सिपाही प्रदीप ने उसके भाई जयवीर का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। जयवीर और प्रदीप के बीच पहले दोस्ती थी और उसने प्रदीप को दो लाख रुपये उधार दिए थे। सत्र अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्रदीप को दोषी करार दिया।

ग्रेटर नॉएडा वेस्ट की ग्रीनआर्च सोसाइटी महिलाओं के बीच रही तीज महोत्सव की धूम, मनाया गया हर्षो उल्लास से पावन पर्व

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नॉएडा वेस्ट की सेवियर ग्रीनआर्च सोसाइटी में तीज पर्व बहुत ही हर्ष उल्लास से मनाया गया जिसका आयोजन ग्रीनआर्च वोमन क्लब द्वारा किया गया। जिसमें सोसाइटी की महिलाओं द्वारा शिरकत की गई।कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि सोसाइटी में काफ़ी समय से महिलाओं द्वारा कार्यक्रम नहीं हुए थे इसलिए हमने तीज के त्योहार को बड़े ही धूम धाम से मनाया। आज महिलाओं में बीच ग्रीनआर्च तीज क्वीन का आयोजन किया जिसमें रैम्प वॉक में क़रीब 40 महिलाओं ने प्रतिभाग लिया। क़रीब चार राउंड के बाद ग्रीन आर्च की तीज क्वीन मनीषा अग्रवाल और रनर उप हेमा कुलदुबे रहे जिनका चयन कार्यक्रम की जज समाज सेवी अमिता सक्सेना द्वारा किया गया। साथ ही कार्यक्रम में तीज सम्बंधित प्रथाए, सामान्य ज्ञान, फ़ैमिली बांडिंग , म्यूज़िकल चेयर एवं अन्य गेम्ज़ रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्रीन आर्च विमेन क्लब के संचालक रश्मि पाण्डेय, अनामिका सारस्वत, स्मिता शर्मा,सिम्मी, स्वाति पालिवाल,नेहा शर्मा, प्रियंका सिंह, अनामिका गुप्ता, खुशबू वर्षने के प्रयास सराहनीय रहे।

फ्लैट में सफाई करने आई महिलाएं नौ लाख के गहने लेकर फरार

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के पाश एरिया के फ्लैट में साफ सफाई करने आई दो महिलाओं पर नौ से दस लाख रुपए के गहने लेकर फरार होने का फ्लैट के मालिक ने आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से भेजी गई अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित ने कंपनी के गैर जिम्मेदाराना रवैये पर रोष जताया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि एटीएस सिक्योरिटी सर्विस की ओर से 28 जुलाई को दो महिलाओं को घर की साफ-सफाई के लिए भेजा गया था। सुबह करीब 11 बजे पत्नी घर में अकेली थी। अज्ञात महिलाएं जब सफाई करके चली गई तो अलमारी में से करीब 9 से 10 लाख रुपए के आभूषण गायब थे। इंदिरापुरम थाना प्रभारी देवपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि मामले में दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और शिकायतकर्ता से तथ्य और साक्ष्य जुटाकर जांच की जा रही है। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के गांव रिस्तला में पिक वाहन से आए चार चोर एक भैंस को गाड़ी में चढ़ाकर ले गए। चोरी का पता लगने के बाद भैंस के मालिक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। भैंस की कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस उपलब्ध कराई गई सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन में जुटी है। घटना शुक्रवार सुबह सवा दो बजे की है, रिस्तला गांव में रहने वाले राहुल के घर के बाहर उसकी भैंस बंधी थी, जिसे चोरों ने खोला और थोड़ी दूर खड़ी पिक में चढ़ाकर ले गए।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा कार्यालय का किया घेराव

आम आदमी पार्टी ने की बढ़ाए गए टैक्स को वापस लेने की मांग

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में भाजपा शासित द्वारा हाउस टैक्स दोगुना करने के विरोध में रविवार को भाजपा कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एमसीडी प्रभारी एवं विधायक दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के तीनो एलओपी, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित एमसीडी के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

आम आदमी पार्टी ने भारी बारिश के बावजूद इस प्रदर्शन को अंजाम दिया। आम आदमी पार्टी ने यह प्रदर्शन कर भाजपा से हाउस टैक्स बढ़ाने के फैसले को वापस लेने की मांग की है। आप नेताओं ने बताया कि प्रदर्शन के बावजूद भाजपा के लोग कोई जवाब देने से बच रहे हैं। आप का कहना है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही भाजपा शासित एमसीडी पूरी दिल्ली में अराजकता का माहौल फैला रही है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर से विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज इतनी भारी बारिश में भी हमें प्रदर्शन को जारी रखना पड़ रहा है क्योंकि यह मुद्दा बहुत गंभीर है। जब से पीएम मोदी ने एमसीडी को अपने अंतर्गत लिया है, ऐसा लग रहा है वह दिल्ली वालों के साथ कोई दुश्मनी निकाल रहे हैं। एमसीडी से हमारी एक छोटी सी मांग थी कि हमारे घर से कूड़ा उठाकर उससे तरीके से कहीं दूर फेंकना। बार-बार मांग के बाद भी कुछ ठीक नहीं हुआ। उधर वह लोगों के घर के लेंटर पर भी पैसा लेते रहे। आज दिल्ली की जनता भाजपा शासित एमसीडी के भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि हमने कहा एमसीडी चुनाव करा दो, दिल्ली को हम खुद साफ कर लेंगे। लेकिन पीएम मोदी को पता था कि उनकी भाजपा ने दिल्ली में क्या गुल खिलाए हैं इसलिए डरकर चुनाव ही स्थगित करा दिया। मनोज तिवारी ने कहा था कि दिल्ली में ना कोई नया टैक्स लगाया जाएगा और ना ही कोई पुराना टैक्स बढ़ाया जाएगा। लेकिन पहले उन्होंने व्यापारियों के ट्रेड लाइसेंस की फीस बढ़ा दी। जहां पहले ट्रेड लाइसेंस फीस 500 रुपए थी, उसे बढ़ाकर लगभग एक लाख कर दिया।

एलजी साहब ने कहा कि दिल्ली वाले चोर हैं क्योंकि वह हाउस टैक्स नहीं भरते हैं। जबकि पूरी दिल्ली इमानदारी से हाउस टैक्स भरती आई है।

वह सारा पैसा भाजपा के नेता और पार्षद खा जाते हैं। अब उन्होंने हाउस टैक्स दोगुना कर दिया है। आम आदमी पार्टी एक ही बात कहना चाहती है कि कभी तो एमसीडी चुनाव होंगे, जैसे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीरो सीटें आई थी वैसे ही इस बार भाजपा एमसीडी में जीरो सीटों पर आएगी। पूरी दिल्ली में सिग्नेचर कैंपेन करेंगे और दिल्लीवालों को भाजपा के भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाएंगे। कोरोना के बाद जो हाउस टैक्स दोगुना कर दे वह जानवर ही हो सकता है। इस जानवर को दिल्ली से खत्म करना है।

बुराड़ी से आप विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी पूरी दिल्ली में अराजकता का माहौल फैला रही है। हाउस टैक्स दोगुना कर दिया गया है।

छोटी-छोटी दुकानों पर कचरे के नाम पर टैक्स लिया जा रहा है। कोरोना के बाद जब भाजपा को लोगों की मदद करने की जरूरत थी उस वक्त वह लोगों को लूटने में लगे हुए हैं। और सारा पैसा भ्रष्टाचार के तहत भाजपा के नेताओं की जेब में जा रहा है।

बस और कार की भिड़ंत में दो की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

ग्रेटर नोएडा । थाना रबूपुरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मोंहम्मदपुर जादौन के सामने रविवार को झाझर रबूपुरा मार्ग पर बस नंबर यूपी 11 टी 4137 और लक्जरी कार रिनाल्ट नंबर यूपी 13 बीआर 7240 दोनों में आमने सामने की टक्कर हो गयी ।जिसमें रिनाल्ट गाड़ी में सवार पुरषोत्तम उर्फ डब्बू लाला पुत्र प्रमोद कुमार निवासी जहांगीरपुर बुलंदशहर वर्तमान में इंटर कालेज ककोड़ के पास रहते हैं उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। जबकि कार में सवार दो अन्य व्यक्ति मोहित पुत्र पीयुष कुमार निवासी शेख सराय बुलंदशहर,रिंकू पुत्र अमर सिंह निवासी सैदमपुर थाना ककोड़ जनपद बुलंदशहर गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिनको उपचार के लिए कैलाश अस्पताल ग्रेटर नोएडा में भर्ती कराया गया। जहाँ पर रिंकू की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। बस चालक मौके से फरार हो गया।

कासना पुलिस ने घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना पुलिस ने घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले अभियुक्त नाहर सिंह पुत्र रामस्वरुप निवासी ग्राम बहारपुर माफी थाना डोलना जनपद कासगंज हाल पता कल्लू धोबी का मकान कस्बा कासना थाना कासना गौतमबुद्धनगर को शनिवार को जिम्स अस्पताल के पास से गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी किया हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है ।गौरतलब है कि 27 अप्रैल 2022 को वादी शिव कुमार पुत्र राजवीर सिह निवासी ग्राम भटौला पोस्ट दरियापुर तहसील सिकन्द्राबाद जिला बुलन्दशहर हाल पता मगन भाटी का मकान कस्बा कासना गौतमबुद्धनगर थाना कासना पर अपने घर ने चोरी किए जाने के संबंध में थाना कासना पर मुकदमा अपराध संख्या 109/2022 धारा 380 भादवि के तहत पंजीकृत कराया था ।बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 411 भादवि की वृद्धि की गयी है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।

आखिर गांधीनगर के विधायक अनिल बाजपेयी जी का संघर्ष काम आया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। गांधीनगर के विधायक श्री अनिल बाजपेयी जी ने गवर्नमेंट ऑफ फारेस्ट एंड वाइल्ड सेंट्रल फारेस्ट डिवीज़न गवर्नमेंट ऑफ एन सी टी शास्त्री वन पार्क का उदघाटन स्थगित कराया। ज्ञात हो कि गाँधीनगर के विधायक श्री अनिल बाजपेयी जी जब से गाँधीनगर के विधायक बने तभी से उन्होंने दिल्ली वन विभाग द्वारा शास्त्री पार्क का काम शुरू कराया और पार्क के सौंदर्यीकरण कराने और बनवाने में महत्वपूर्ण भागीदारी वहां के स्थानीय स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर की।

आज दिल्ली वन विभाग द्वारा कार्यक्रम का उदघाटन का बोर्ड श्री सी डी सिंह जी(चीफ कंसर्वेटर ऑफ फारेस्ट एंड वाइल्डलाइफ दिल्ली गवर्नमेंट) का लगा दिया। स्थानीय लोगो द्वारा इसका तुरंत विरोध मौके पर किया गया। गाँधीनगर के विधायक श्री अनिल बाजपेयी जी को तुरंत मौके पर बुलाया गया। लोग वन विभाग द्वारा स्थानीय विधायक को न बुलाये जाने से काफी नाराज थे।

विधायक श्री अनिल बाजपेयी जी ने मौके पर पहुचकर इसका पुरजोर विरोध किया और बड़े अधिकारियों से बात कर कहा कि दिल्ली विधानसभा का एक प्रस्ताव है जिसमे कोई सरकारी कार्यक्रम यदि दिल्ली सरकार द्वारा होता है उसमें उस छेत्र के विधायक को बुलाना जरूरी होता है और विधायक को बगैर विश्वास लिए उदघाटन का कार्यक्रम रख दिया इसकी सूचना तक मुझे नही दी गयी मुझे केवल 20 मिनट पहले ही वहां के स्थानीय लोगो ने फ़ोन कर जानकारी दी। विधायक और उनके साथी पार्क के गेट के सामने धरने पर बैठ गए।

भारी विरोध के कारण वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अग्रिम सूचना तक उदघाटन स्थिगित कर दिया गया। इस अवसर पर श्री चमन लाल,श्री सुशील चतुर्वेदी,श्री विमल शर्मा,श्रीमती पूजा शर्मा,श्री संजय श्रीवास्तव,श्री आयुष कुमार,श्रीमती गीता रानी,श्री शरद तिवारी मोहम्मद शमीम,समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विधायकों को धमकी मामला : हरियाणा एसटीएफ ने 6 लोगों को किया गिरफ्तार, पाकिस्तान से जुड़े गैंग के तार

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने विधायकों को जान से मारने की धमकी देने और उनसे रंगदारी मांगने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए इन लोगों के तार सीमापार से भी जुड़े हुए बताए जा रहे हैं।

एसटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सतीश बालन ने गुरुग्राम के भोंडसी में स्थित एसटीएफ के मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के चार विधायकों को कई फोन नंबरों से 24 से 28 जून तक ऐसे कॉल आए थे, जो पश्चिमी एशियाई देशों से थे और पाकिस्तान से संचालित थे।

आईजी ने बताया कि पंजाब के कुछ पूर्व विधायकों को भी इन नंबरों से ऐसे ही धमकी भरे कॉल आए। फोन करने वाले ने उनसे मुंबई के लहजे और पंजाबी में बात की थी।

उन्होंने बताया कि गिरोह के दो सदस्यों, बिहार के रहने वाले दुलेश आलम और उत्तर प्रदेश के बदरे आलम को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। चार अन्य अमित यादव, सादिक अनवर, सनोज कुमार, काश आलम को बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया गया। ये सभी बिहार के रहने वाले हैं। सतीश बालन ने बताया कि उनके पास से 55 एटीएम कार्ड, 24 मोबाइल फोन, 56 सिम कार्ड, 22 पासबुक और चेक बुक, 3.97 लाख रुपये, एक एसयूवी, तीन डायरियां और एक रजिस्टर बरामद किया गया है।

एसटीएफ को ऐसे मिली कामयाबी

आईजी ने बताया कि विधायकों को जान से मारने की धमकी देने के लिए अज्ञात लोगों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई थीं, जिसके बाद हरियाणा के पुलिस महानिदेशक पी.के. अग्रवाल ने ये सारे मामले एसटीएफ को सौंप दिए थे। आरोपियों को पकड़ने की एसटीएफ की रणनीति के तौर पर उसके कर्मी जानबूझकर गिरोह के निशाने पर आए, जिसके बाद उन्हें भी ऐसे ही धमकी भरे कॉल आने लगे। बालन ने बताया कि फोन करने वाले लोगों द्वारा मांगी गई रंगदारी देने की आड़ में पुलिस टीम ने उनके बैंक खातों की जानकारियां आदि दर्ज की, जिसके बाद मुंबई और मुजफ्फरपुर में छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान एसटीएफ को 10 पाकिस्तानी निवासियों के बारे में भी पता चला, जिनके जरिए धमकी और वसूली के कॉल आए थे।

आईजी ने कहा कि ये आरोपी किसी आपराधिक गिरोह या आतंकवादी संगठन के नहीं हैं। ये बहुत शातिर अपराधियों का गिरोह है, जो पेशेवर धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं और पाकिस्तान, पश्चिम एशिया तथा भारत में इनके सदस्य हैं।

जेवर पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली पुलिस के एसआई सुनील कुमार भार्गव ने अपने पुलिस बल कास्टेंबल 2177 अजय कुमार,कास्टेंबल 3754 अशोक कुमार के साथ मिलकर एक वांछित अभियुक्त मेघराज पुत्र नेपाल सिंह निवासी ग्राम लौदाना थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के जहाँगीरपुर बस अड्डे से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

उपरोक्त अभियुक्त थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध 272/2022 धारा 323,324,504,506, 308 भादवि के तहत वांछित चल रहा था ।गौरतलब है कि 19 जुलाई 2022 को वादिया द्वारा थाना जेवर पर लिखित तहरीर दी गई थी कि अभियुक्त प्रमोद कुमार पुत्र बिजेन्द्र सिंह,अंकुश पुत्र प्रमोद कुमार, भरत पुत्र प्रमोद कुमार, मेघराज पुत्र नेपाल सिंह निवासीगण ग्राम लौदाना थाना जेवर द्वारा वादिया के पति अमरपाल के साथ हाथों मे लाठी-डन्डे, फरसा और फावड़ा लेकर मारपीट की थी। जिसमें वादिया का पति खून से लथपथ होकर बेहोश हो गया था।

जिसके सम्बन्ध में जेवर थाने पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त प्रमोद को जेवर पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जुलाई में साढ़े पांच हजार संक्रमित मिले, तीन की मौत

गुरुग्राम। जिले में कोरोना की रफ्तार में बीते दिनों के मुकाबले एक बार फिर बढ़ोतरी नजर आ रही है। जुलाई के 31 दिनों में जिले में 5692 संक्रमित मरीज मिले। इस दौरान तीन संक्रमित मरीजों की मौत भी हो गई। इससे कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 288467 तक पहुंच गई।

मृतकों का आंकड़ा 1013 तक पहुंच गया। रविवार को भी जिला स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना से संक्रमित 201 नए मरीजों की पहचान की। बीते 24 घंटे में 210 संक्रमित मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ भी हो गए। रविवार को जिले में कोरोना संक्रमण की दर 5.54 फीसदी दर्ज की गई। लगातार नए मामले सामने आने से अस्पतालों में एक बार फिर कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है। जिले में वर्तमान में कोरोना के कुल 888 सक्रिय मरीज बचे हैं।

इनमें से 22 संक्रमित मरीज इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 866 सक्रिय मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इनमें संक्रमण के कम लक्षण होने के कारण स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें एहतियात बरतते हुए घर पर ही आइसोलेट रहने की हिदायत दी है। रविवार को जिले में कोरोना जांच के लिए 3628 नमूने लिए गए। इनमें से 1790 नमूनों की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट से की गई। 1838 नमूने आरटीपीसीआर जांच के लिए एकत्रित किए गए।

गुरुग्राम में 3 पुलिसकर्मी गिरफ्तार और 3 फरार

वकील से 9 लाख रुपये रंगदारी वसूलने का आरोप

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक वकील को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर कथित तौर पर नौ लाख रुपये की रंगदारी वसूलने के आरोप में तीन पुलिस कर्मियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन अब भी फरार हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार पुलिस कर्मियों की पहचान कॉन्स्टेबल संदीप डागर, नीतू और विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) आनंद कुमार के रूप में हुई है। तीनों को सदर थाना क्षेत्र में तैनात किया गया था। इन तीनों के साथ शामिल तीन अन्य लोग फिलहाल फरार हैं।

अधिकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता वकील ने बताया कि शुक्रवार की रात तीनों ने उन्हें एक होटल के बाहर बुलाया और एक कार में बैठने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कार के अंदर पुलिस कर्मियों ने उन्हें झूठे मामले में फंसाने के साथ-साथ जान से मारने की धमकी भी दी थी। वकील ने बताया कि नौ लाख रुपये देने के बाद उन्होंने मुझे जाने दिया। अगले दिन मैं पुलिस के पास गया और इसकी शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद सदर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-387 (जबरन वसूली), 506 (आपराधिक धमकी), और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत सभी छह आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त संजीव बल्हारा ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पूरे प्रकरण में आरोपी पुलिस कर्मियों की संदिग्ध भूमिका है। एफआईआर दर्ज करने के तुरंत बाद तीनों पुलिस कर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सस्पेंड करने के बाद एक विभाग जांच भी शुरू की गई।

उन्होंने कहा कि जबरन वसूली में तीन अन्य आरोपी भी शामिल थे, जो अभी फरार हैं। हमारी विशेष टीम ने उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है और उन्हें भी जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा।

पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत तीन लुटेरों को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे अभियुक्त रोहित उर्फ मोनू उर्फ राहुल पुत्र अनिल निवासी गेझा नोएडा पूर्व निवासी जहांगीरपुरी दिल्ली को घायल अवस्था में और अन्य दो अभियुक्तों राज पुत्र संतोष निवासी सेक्टर-93 नोएडा पूर्व पता कानपुर देहात, मनीष पुत्र महेन्द्र वर्तमान पता गेझा पूर्व पता जनपद एटा को कांबिंग के दौरान रविवार को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त रोहित पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने लूटा हुआ ई रिक्शा और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा व दो कारतूस खोका बरामद किए हैं ।रविवार को थाना सेक्टर-39 नोएडा पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान ई रिक्शा में सवार तीन व्यक्तियों को रूकने का इशारा किया गया जिसपर उनके द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयत्न किया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ हेतु चलाई गयी गोली अभियुक्त रोहित के पैर में लगने के कारण वह घायल हो गया। गौरतलब है कि 30 जुलाई 2022 को समय करीब 3:30 बजे दोपहर में वादी राजेश शाह पुत्र तालवेशर शाह निवासी ग्राम झरिया थाना बुर्रा गढ जिला धनबाद बिहार वर्तमान पता सेक्टर-17 की झुग्गी झोपड़ी से उक्त 3 बदमाशों ने रजनीगंधा चौक सेक्टर-16 से ई-रिक्शा बुक कराकर महामाया फ्लाईओवर के पास गलत रास्ते पर ले जाकर रिक्शा लूट लिया गया था।

जिस के संबंध में थाना सेक्टर-39 पर लूट का अभियोग पंजीकृत है। बदमाश रोहित के विरुद्ध करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

ईएमसीटी की ज्ञानशाला में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बच्चों की रचनात्मक कला की शिक्षा के साथ किया गया पाठ सामग्री का वितरण

नोयडा। ईएमसीटी के सदस्यों की लगातार शिक्षा के अभियान के लक्ष्य को पूरा करते हुए बच्चों की कल्पना शक्ति और रचनात्मक कला की शिक्षा दी गयी। जिसमें बच्चों ने बहुत मन से चित्र कला,आर्टएंड क्राफ़्ट की क्लास ली गई। ईएमसीटी की संस्थापक रश्मि पाण्डेय ने बताया की कक्षा रचनात्मक कला को प्रत्साहित करने के लिए सभी 65 बच्चों को पाठ सामग्री का भी वितरण किया गया। जिसमें कला कि किताबें कॉपी पेन्सल और कलर दिए गए। साथ ही साथ बच्चों को पौष्टिक फल और जूस दिए गए। ईएमसीटी की टीम बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। बच्चों की ज्ञान शाला में रोनिता चौधरी, रश्मिता सरकार एवं संजीव उपस्थित रहे।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की अनदेखी और वर्तमान राजनीति में इसका बढ़ता चलन

तृणमूल के अन्य अनेक नेताओं के साथ स्वयं ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी सीबीआइ और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं। इसे देखते हुए तृणमूल कांग्रेस का यह दावा खोखला ही अधिक नजर आता है कि ममता भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं।

अंततः ममता बनर्जी को अपने वरिष्ठ मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्य पार्थ चटर्जी को हटाने के लिए विवश होना पड़ा। उन्होंने यह निर्णय तब लिया, जब प्रवर्तन निदेशालय की टीम को पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के एक और फ्लैट से करीब 28 करोड़ रुपये नकद, सोना और विदेशी मुद्रा मिली। इससे पहले उनके एक अन्य फ्लैट से 21 करोड़ रुपये के साथ-साथ कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज मिले थे।

कायदे से ममता बनर्जी को तभी पार्थ चटर्जी की छुट्टी कर देनी चाहिए, लेकिन पता नहीं क्यों उन्होंने उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक नहीं समझा? उनकी ओर से देर से लिए गए निर्णय का कारण कुछ भी हो। वह इस प्रश्न से पीछा नहीं छुड़ा सकतीं कि क्या उन्हें इस बारे में कहीं कोई खबर नहीं थी कि पार्थ चटर्जी दोनों हाथों से लूट करने में लगे हुए हैं? आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई वरिष्ठ मंत्री बड़े पैमाने पर घोटाला करने में लगा हो और मुख्यमंत्री को कुछ अता-पता न हो?

यह प्रश्न इसलिए और अधिक गंभीर हो जाता है, क्योंकि शिक्षकों की भर्ती में घोटाले की पुष्टि तभी हो गई थी, जब कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से गठित एक आयोग ने यह पाया था कि शिक्षकों के चयन में जमकर मनमानी हुई। कोई नहीं जानता कि ममता ने पार्थ चटर्जी को तभी हटाना क्यों नहीं जरूरी समझा? कहीं इसलिए तो नहीं कि घोटाले की रकम का एक हिस्सा पार्टी कोष में पहुंच रहा था? सच जो भी हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता न केवल गंभीर आरोपों से घिरे हैं, बल्कि उनके खिलाफ सीबीआइ अथवा ईडी या फिर दोनों एजेंसियों की जांच जारी है।

तृणमूल के अन्य अनेक नेताओं के साथ स्वयं ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी सीबीआइ और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं। इसे देखते हुए तृणमूल कांग्रेस का यह दावा खोखला ही अधिक नजर आता है कि ममता भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं। बहुत दिन नहीं हुए जब ममता सीबीआइ के कोलकाता स्थित कार्यालय पर इसलिए धरना देने पहुंच गई थीं, क्योंकि इस एजेंसी ने घोटाले से घिरे तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था।

ममता ने भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अपने नेताओं का जैसा बचाव किया, वह नया-अनोखा नहीं है। वास्तव में अब यह एक चलन सा बनता जा रहा है। कुछ समय पहले महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिए जाने के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उन्हें मंत्री पद से हटाने से इन्कार कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की भी है।

मृत्यु का कारण बनती नकली और घटिया क्वालिटी की दवाएं

सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के बढ़ने के साथ ही नकली और निम्न कोटि की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है और लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। पिछले वर्ष एसोचैम ने अपनी रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है।

सत्यवान 'सौरभ'

डब्ल्यूएचओ के नए शोध के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में अनुमानित 10 में से 1 चिकित्सा उत्पाद या तो घटिया है या गलत है। इसका मतलब है कि लोग ऐसी दवाएं ले रहे हैं जो बीमारी का इलाज या रोकथाम करने में विफल हैं। यह न केवल इन उत्पादों को खरीदने वाले व्यक्तियों और स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए पैसे की बर्बादी है, बल्कि घटिया या नकली चिकित्सा उत्पाद गंभीर बीमारी या मृत्यु का कारण बन सकते हैं। घटिया और नकली दवाएं विशेष रूप से सबसे कमजोर समुदायों को प्रभावित करती हैं। कल्पना कीजिए कि एक माँ अपने बच्चे के इलाज के लिए इस बात से अनजान है कि दवाएं घटिया हैं या गलत हैं, और फिर उस इलाज के कारण उसके बच्चे की मृत्यु हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन को घटिया या नकली उत्पादों के मामलों की 1500 रिपोर्ट मिली है। इनमें से मलेरिया-रोधी और एंटीबायोटिक सबसे अधिक रिपोर्ट किए जाते हैं। अधिकांश रिपोर्ट (42त्न) अफ्रीकी क्षेत्र से, 21त्न अमेरिका के क्षेत्र से और 21त्न यूरोपीय क्षेत्र से आती हैं। यह समस्या का एक छोटा सा अंश है और बहुत से मामलों की रिपोर्ट नहीं की जाती। इनमें से कई उत्पाद, जैसे एंटीबायोटिक्स, लोगों के अस्तित्व और भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। घटिया या नकली दवाओं का न केवल व्यक्तिगत रोगियों और उनके परिवारों पर एक दुखद प्रभाव पड़ता है, बल्कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए भी खतरा होता है। जिससे दवाओं की चिंताजनक प्रवृत्ति में इलाज की शक्ति कम हो जाती है।

जालसाजी की समस्याओं में आज सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है नकली दवा उत्पाद जो विश्व स्तर पर फैल रहे हैं, सीधे लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं और कभी-कभी मौत का कारण भी बन सकते हैं। ये नकली दवाएं न केवल गंभीर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करती हैं, बल्कि घटिया औषधीय उत्पाद उपभोक्ता आय को इसके लिए भुगतान करके बर्बाद कर देते हैं, जिसका कोई चिकित्सीय मूल्य नहीं है। इसके अलावा, यह वैध दवा कंपनियों से बिक्री को विस्थापित करता है ।रिपोर्टों से पता चलता है कि वैश्विक नकली दवा बाजार लगभग 200 बिलियन डॉलर का है और संयुक्त राज्य अमेरिका में खोए हुए संघीय और राज्य कर राजस्व के नौ बिलियन डॉलर के आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और निम्न कोटि की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है और लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। पिछले वर्ष एसोचैम ने अपनी रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बेचने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। ऐसी दवाएं 1980 के दशक से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रभाव के साथ दुनिया भर में एक बड़ी समस्या बनी हुई हैं।

गंभीर चिंताजनक मामले देखते हुए भारत सरकार नई दवाएं, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन विधेयक 2022 बिल लाई है और यह बिल 1940 के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट कानून को बदलने का प्रयास करता है, जिसमें बदलती जरूरतों और प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल रखने के लिए सख्त नियम दिशा निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में देश में बेचे जाने वाले लगभग 80त्न चिकित्सा उपकरण आयात किए जाते हैं, विशेष रूप से उच्च श्रेणी के उपकरण। इस विधेयक का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी देश में बेचे जाने वाले चिकित्सा उत्पाद सुरक्षित, प्रभावी और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों।

चिकित्सा उत्पादों की सुरक्षित और प्रभावी बिक्री के मार्गदर्शन के लिए परमाणु ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, और संबंधित क्षेत्रों जैसे जैव चिकित्सा प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ एक वैधानिक चिकित्सा उपकरण तकनीकी सलाहकार बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। जिसमें उन्होंने चिकित्सा उपकरणों की अलग परिभाषा देते हुए नैदानिक उपकरण, इसका सॉफ्टवेयर, प्रत्यारोपण, विकलांग सहायता के लिए उपकरण, जीवन समर्थन, कीटाणुशोधन के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण और कोई भी अभिकर्मक या किट शामिल किये हैं। विधेयक में राज्यों और केंद्रीय स्तर पर दवा प्रयोगशालाओं की तर्ज पर चिकित्सा उपकरण परीक्षण केंद्रों का प्रस्ताव है।

नया बिल क्लिनिकल परीक्षण या दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की नैदानिक जांच के लिए केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण की अनिवार्य अनुमति का प्रस्ताव करता है। नैदानिक परीक्षणों में भाग लेने के दौरान घायल हुए व्यक्तियों और मृत्यु के मामले में, प्रतिभागी के कानूनी उत्तराधिकारी को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। विधेयक में विशेष रूप से कहा गया है कि केंद्र सरकार को दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को विनियमित करने के लिए और ऑनलाइन फार्मेसियों के लिए लाइसेंस या जारी अनुमति के अनुसार संचालित करने के लिए नियमों के साथ आना चाहिए।

मसौदा विधेयक मिलावटी या नकली चिकित्सा उपकरणों के लिए कारावास या जुर्माना के प्रावधानों को परिभाषित करता है। नकली दवाएं उन उपभोक्ताओं के लिए प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम और सुरक्षा खतरे पैदा कर सकती हैं जो कम गुणवत्ता वाले नकली उत्पादों का शिकार होते हैं, अनधिकृत दवाओं को देखने में असमर्थ होते हैं। इसके अलावा, इन उपभोक्ताओं को उन जोखिमों के बारे में भी पता नहीं है जो उन्हें पैदा कर सकते हैं। खराब गुणवत्ता और नकली फ़ार्मास्यूटिकल उत्पाद कई लोगों को विभिन्न तरीकों से प्रभावित कर सकते हैं. नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने के अधिकार की गारंटी देने के लिए एक आधुनिक नियामक प्रणाली तैयार की जानी चाहिए। नियामक प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी को सक्षम करने और अपनी आपत्तियां दर्ज करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई या नागरिक याचिका जैसे कानूनी रास्ते बनाने की आवश्यकता है।

ऑनलाइन फार्मेसी जैसे आधुनिक खरीदारी मॉडल आसानी से नियामक निरीक्षण को दरकिनार कर सकते हैं। ये आज विशेष रूप से लोकप्रिय हैं, लेकिन घटिया या नकली चिकित्सा उत्पादों की बिक्री के अनुपात और प्रभाव को निर्धारित करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। वैश्वीकरण चिकित्सा उत्पादों को विनियमित करना कठिन बना रहा है। कई फाल्स फायर विभिन्न देशों में पैकेजिंग का निर्माण और प्रिंट करते हैं, शिपिंग घटकों को एक अंतिम गंतव्य तक पहुंचते हैं जहां उन्हें इकट्ठा और वितरित किया जाता है। कभी-कभी, नकली दवाओं की बिक्री को सुविधाजनक बनाने के लिए विदेशी कंपनियों और बैंक खातों का उपयोग किया गया है।

यह एक वैश्विक समस्या है, इसलिए सभी देशों को इस समस्या की सीमा का आकलन करने और इन उत्पादों के यातायात को रोकने और पहचान और प्रक्रिया में सुधार करने के लिए क्षेत्रीय और विश्व स्तर पर सहयोग करने की आवश्यकता है। सरकार ने नकली दवाएं बेचने और बनाने वालों को फांसी देने का प्रावधान शामिल कर दिया, लेकिन विशेषज्ञ बताते हैं कि सरकार की ओर से निगरानी और जांच-पड़ताल की कमी के कारण यह धंधा परवान चढ़ रहा है। इन पर निगरानी रखने वाले संस्थान हमेशा दवाओं की गुणवत्ता की जांच और नकली दवाओं के कारोबारियों की नाक में नकेल नहीं कस रहे हैं।

भारत के वैश्विक नेतृत्व करने और 'विश्व शांतिदूत' बनने का माकूल वक्त आ गया है

भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है । पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया था ।तथा विस्तार वाली नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो। फल स्वरूप राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था। पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था। इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 194। में भारत को आजादी मिली। और इसके उपरांत भारत लगातार अहिंसा परमो धर्म की नीति पर अपने कदम बढ़ाता रहा है। कुछेक उदाहरण को छोड़ दिया जाए जैसे पाकिस्तान द्वारा लगातार भारत पर आक्रमण करने से भारत ने मुंह तोड़ जवाब भी दिया। और इसी के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश का जन्म भी हुआ। पर इस घटना में भी भारत की वैश्विक स्तर पर शांतिदूत की भूमिका ही रही। भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि एक शांति के संप्रभुता वाले गणतांत्रिक लोकतंत्र की रही। भारत ने ऐतिहासिक तौर पर कभी किसी राष्ट्र पर अपनी तरफ से आक्रमण हमला नहीं किया। और यही कारण है की संयुक्त राष्ट्र संघ के 75 वर्ष के निर्माण काल के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ हमेशा शांति प्रयासों में भारत की सहायता लेता रहा है और भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में योगदान की महत्वपूर्ण रहा है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद मोदी सरकार ने भी वसुधैव कुटुंबकम की नीति का परिचालन कर विश्व को संदेश दे दिया है की भारत गांधी का देश है बुध और विवेकानंद का देश है। वह अपने साथ विश्व में भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखना चाहता है। और इसी कार्यक्रम में 26 सितंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आभासी आयोजन में हिंदी में संभाषण किया यह उनकी संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को संबोधित करने का हिंदी में तीसरा अवसर था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों में अपनी भूमिका का स्मरण दिलाया। उन्होंने कहा की भारत विभिन्न समय में संयुक्त राष्ट्र संघ से कंधे से कंधा मिलाकर शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है. इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के लोकतांत्रिक होने के प्रयासों में अपना दावा भी पेश किया था। यह उल्लेखनीय है की भारत में संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी शांति प्रयास की योजनाओं तथा अभियान में अपनी सशक्त जिम्मेदारी निभाते हुए अपना सहयोग तथा शांति सेना हेतु अपनी सेनाओं को भेजकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी धर्म तथा संविधान तथा घोषणा पत्र मैं शांति प्रयासों के लिए सेना को भेजने का कहीं उल्लेख नहीं है किंतु विश्व के कई युद्ध रत तथा मुसीबत में पड़े राष्ट्रों को जहां गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी है। वहां भारतीय गणतंत्र ने अपनी सेनाएं भेज कर हजारों लाखों मानव की रक्षा कर, मानव जाति की सेवा की है. 7और अवांछित युद्ध जैसी स्थिति पर अपनी सेनाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया है। इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ अलग-अलग महासभा में स्वीकार भी करता है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हर संभव किया हैझ भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आव्हान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया , लाइबेरिया, युगोस्लाविया, नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनगिनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली हेतु अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी।

भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है।

ऋषिकेश के खूबसूरत बीच

न आज हम आपको गोवा नहीं, बल्कि ऋषिकेश के खूबसूरत बीचों के बारे में बताने जा रहे हैं। जी हां, गंगा नदी में तट पर स्थित यह खूबसूरत बीच आपको गोवा वाला अनुभव देंगे। इन समुद्री तटों पर आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ मौज मस्ती कर सकते हैं बीच का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में पहला नाम गोवा का आता है। लेकिन आज हम आपको गोवा नहीं, बल्कि ऋषिकेश के खूबसूरत बीचों के बारे में बताने जा रहे हैं। जी हां, गंगा नदी में तट पर स्थित यह खूबसूरत बीच आपको गोवा वाला अनुभव देंगे। इन समुद्री तटों पर आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ मौज मस्ती कर सकते हैं ऋषिकेश में गोवा बीच मशहूर पर्यटक स्थलों में से एक है। जी हां, गोवा बीच नाम के इस समुद्री तट पर सफेद रेत एकदम गोवा जैसा अनुभव देता है। यहां अप समुद्र तट के किनारे बैठकर मौज मस्ती कर सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट है जहां लोग अपने परिवार के साथ एंजॉय करते हैं। शिवपुरी बीच, ऋषिकेश के सबसे खूबसूरत समुद्री तटों में से एक है। यहां के समुद्री तट पर आप नीले पानी के किनारे बैठकर प्राकृतिक खूबसूरती का अनुभव कर सकते हैं। यह बीच आपको एक अलग ही सुकून पहुंचाएगा। ऋषिकेश का नीम बीच रिवर राफ्टिंग का आखिरी पॉइंट है। यहां आप सुबह की शांति और सुकून का अनुभव कर सकते हैं। यहां लोग सुबह की धूप का आनंद लेने भी आते हैं। इस बीच पर आप गाड़ी से भी घूम सकते हैं। कौड़ियाला बीच, ऋषिकेश से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक गांव है। यह राफ्टिंग के शौकीन लोगों लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है। यह बीच गंगा के तट पर स्थित एक खूबसूरत बीच है। यह व्हाइट रिवर राफ्टिंग और नाइट कैंप के लिए प्रसिद्ध है। यहां जाने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून के बीच है। वरिष्ठ गुफा बीच, ऋषिकेश की सबसे खूबसूरत और आध्यात्मिक जगहों में से एक है। सड़क के रास्ते जाते हुए एक आसान रास्ते से आप गुफा तक पहुंच सकते हैं। गुफा एक मंदिर के अंदर स्थित है, जहां मेडिटेशन करने से आपको ऊर्जा का अनुभव होगा। मंदिर के बगल में एक रास्ता सफेद रेत और विशाल कंकड़ वाले बीच की तरफ जाता है।

ईश्वर के पहरेदार बने बैठे ये 'स्वयंभू धर्म दूत'

तनवीर जाफ़री

इज़राइल के चैनल 13 के एक यहूदी टीवी पत्रकार गिल तामरी ने पिछले दिनों सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में प्रवेश कर वहाँ का एक वीडियो बनाया और उस वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। उसके बाद सऊदी अरब प्रशासन में खलबली मच गयी। सऊदी पुलिस ने इस मामले में पूरी तत्परता दिखाते हुये सऊदी अरब के ही निवासी एक व्यक्ति को गिरफ़्तार कर लिया गया है। आरोप है कि इसी व्यक्ति ने चैनल 13 के इसराइली टीवी पत्रकार गिल तामरी को मक्का में प्रवेश कराने में सहायता की थी। हालांकि अपनी मक्का यात्रा के बाद पत्रकार तामरी ने यह कहते हुये माफ़ी मांगी है कि वे -%धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए मक्का और इस्लाम की सुंदरता दुनिया को दिखाना चाहते थे % ।वीडियो में तामरी को स्वयं ये बोलते भी सुना जा सकता है कि %%सऊदी क़ानून के अनुसार ग़ैर-मुसलमानों का यहाँ आना वर्जित है। मेरे लिए भी यहां पहुंचना असंभव था। परन्तु मुझे यहां एक बहुत अच्छे व्यक्ति (गाईड) मिले जिन्होंने अपनी जान ख़तरे में डालकर मुझे यहां ले जाने का फ़ैसला किया %%। इस पूरे प्रकरण में मक्का पुलिस का कहना है कि %मक्का में प्रवेश करने वाले इसराइली पत्रकार पर आगे क़ानूनी कार्रवाई की जा रही है। मक्का पुलिस प्रवक्ता ने एक बार फिर पुरज़ोर तरीक़े से यह कहा है कि सऊदी अरब आने वाले लोग यहाँ के नियम-क़ानूनों का पालन करें, ख़ासतौर पर दो पवित्र मस्जिदों और अन्य पवित्र जगहों के मामले में।अन्यथा क़ानूनों का उल्लंघन करने वालों को सऊदी क़ानून के अनुसार सज़ा दी जाएगी। ग़ौर तलब कि मक्का शहर के चारों ओर नगर की एक सीमा निर्धारित की गयी है और इन सीमाओं के प्रवेश द्वार पर बड़े अक्षरों से बोर्ड पर लिखा गया है कि -ग़ैर मुस्लिमों का मक्का की सीमाओं में प्रवेश वर्जित, केवल मुस्लिम मक्का में दाख़िल हो सकते हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर वही बहुचर्चित सवाल विश्व स्तर पर पूछा जाने लगा है कि आख़िर हज की रस्म अदा करने के लिये सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर में ग़ैर मुस्लिमों का प्रवेश क्यों वर्जित है। हज के तौर तरीक़ों और हज अदायगी को क़रीब से देखने की उत्सुकता रखने वाले दुनिया के तमाम लोग सऊदी सरकार के इस फ़ैसले से व्यथित हैं। केवल ग़ैर मुस्लिम ही नहीं बल्कि दुनिया के मुसलमानों का भी एक बड़ा वर्ग जो हमेशा से सऊदी सरकार के इस %ग़ैर मुस्लिम का मक्का प्रवेश निषेध % नीति का विरोधी रहा है वह भी पुनः मुखरित हो उठा है। ग़ौर तलब है कि हज स्थल मक्का (काबा शरीफ़) चूँकि सऊदी अरब में इत्तेफ़ाक़न इसलिये स्थित है क्योंकि इस्लाम धर्म की शुरुआत अरब से ही हुई और यही इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हज़रत मुहम्मद साहब की जन्म व कर्मस्थली भी रही है। परन्तु चूँकि इस्लाम विश्वस्तर पर फैल चुका है और पूरी दुनिया के लोग हज या उमरा करने मक्का आते जाते रहते हैं इसलिये दुनिया का मुसलमान इन पवित्र धार्मिक स्थलों पर अपना भी समान अधिकार समझता है। कई बार मुस्लिम जगत में यह चर्चा भी हो चुकी कि सऊदी अरब में हज उमरा आदि धार्मिक गतिविधियों के नियम क़ायदे यहाँ तक कि अलग अलग देशों का वीज़ा कोटा निर्धारण करने के लिये इस्लामी देशों की विश्वस्तरीय संयुक्त कमेटी बनायी जाये।परन्तु ठीक इसके विपरीत सऊदी सरकार इन स्थानों पर अपना आधिपत्य समझती है। और इस पवित्र क्षेत्र में अपनी ही सोच विचार के अनुसार नियम क़ानून निर्धारित व लागू करती है। ग़ैर मुस्लिमों के मक्का प्रवेश निषेध मामले पर वह यही कहकर पल्ला झाड़ती कि अन्य देशों की तरह किसी भी क्षेत्र या किसी भी व्यक्ति को वीज़ा देना या न देना उसका अपना अधिकार है इसके लिये कोई चुनौती नहीं दी जा सकती। परन्तु मक्का के अतिरिक्त भी अनेक इस्लामी धर्मस्थल ऐसे हैं जहां पूरे वर्ष और चौबीस घंटे मक्का और मदीना से भी ज़्यादा दर्शनार्थियों व पर्यटकों की भीड़ रहती है।

ताली बजाने के उद्धत फायदे हैं - ताली मानवीय ऊर्जा और स्पंदन को उठाती है

ताली बजाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है शायद ऋषि-मुनियों को पता था कि लोगों के पास व्यायाम का समय भी नहीं बचेगा - एड किशन भावनानी

गोंदिया - भारत के हजारों वर्षों के इतिहास का अगर हम अध्ययन करें तो हमें हर सामायिक अंतर में हमें अनमोल गाथाएं महसूस करने को मिलेगी, कि क्यों भारत को सोने की चिड़िया का दर्जा दिया जाता था, क्यों हजारों हमारे पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की अनमोल संस्कृति सभ्यता वैश्विक स्तरपर सटीक लुभावने, आकर्षित करने वाली हैं जिसपर बुरी नजरें अंग्रेजों की पड़ी और इस सोने की चिड़िया को गुलाम बनाकर अनमोल संसाधनों का दोहन किया। वैसे तो गाथाओं का कोई अंत नहीं परंतु आज हम भारत की ताली गाथा पर चर्चा इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगे जिसके उद्धत फायदे हैं, मानवीय ऊर्जा और स्पंदन को उठाती है। जो परंपरा पुरातन काल से ही चली आ रही है शायद ऋषि-मुनियों को पता था कि लोगों के पास व्यायाम का भी समय नहीं बचेगा इसलिए ताली संस्कृति शुरू की आओ ताली बजाएं!!

साथियों बात अगर हम ताली को परिभाषित करने की करें तो, ताली उस ध्वनि को कहते हैं जो दो सपाट सतहों के आपस में टकराने से उत्पन्न होती है, जैसे मनुष्यों या जानवरों के अंगों में, मनुष्य अपने हाथ की हथेलियों द्वारा ताली बजाते हैं, प्रायः प्रशंसा या अनुमोदन (देखें सराहना) की अभिव्यक्ति में निरंतर घनघनाहट साथ, लेकिन कभी-कभी ताली लय के साथ भी बजायी जाती है जिससे कि वह संगीत और नृत्य के स्वरों से मेल करे। सील उन कुछ जंतुओं में से हैं जो ताली बजा सकते हैं।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की करें तो, ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे शरीर में खिंचवा होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर - जारे से ताली बजाने से कुछ ही देर में एहसास होगा कि आपको पसीना आना शुरू हो गया और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो गई है। बस यही है व्यायाम। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदु होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर बिन्दु कहते हैं। ताली बजाने से इन बिंदुओं पर जोर पड़ता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्युप्रेशर पद्धति में ताली बजाना सबसे ज्यादा लाभदायक माना गया है। ताली बजाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है। आज मानवीय जीव पास है व्यायामका भी समय नहीं है इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने मंदिरों में ताली बजाने की परंपरा शुरू की ताकि कुछ देर ही सही पर हम व्यायाम कर सकें।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने को निराशा से उबारने की थेरेपी की करें तो, यह निराशा की स्थिति से उबरने के लिएअसरदार थेरेपी है। कोई व्यक्ति पाचन की समस्या से गुजर रहा हो तो उसे क्लैपिंग थेरेपी अपनानी चाहिए। हृदय और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं, अस्थमा के इलाज में यह थेरेपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह गर्दन के दर्द से लेकर पीठ और जोड़ों के दर्द में भी आराम पहुंचाती है। बच्चे अगर इस थेरेपी को अपनाएं तो इससे उनकी काम करने की क्षमता और बौद्धिक विकास होता है। इससे दिमाग तेज होने में मदद मिलती है।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के मौकों की करें तो, खुशी का मौका का हो, किसी की तारीफ करनी हो, कोई जीत का विषय हो या किसी को प्रोत्साहन देना हो, इसके लिए लोग ताली बजाते हैं। ताली बजाना भले ही खुशी जाहिर करने का एक तरीका हो, लेकिन यह तरीका सेहत के लिए भी बड़े काम का है। रोजाना कुछ मिनट के लिए ताली बजाने से कई तरह से स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद मिलती है। इसे क्लैपिंग थैरेपी भी कह सकते हैं। यह थैरेपी हजारों सालों से चलती आ रही है। भारत में भजन, कीर्तन, मंत्रोपचार और आरती के समय ताली बजाने की प्रथा है। इससे मिलने वाले शारीरिक लाभ भी कम नहीं हैं। इसका वैज्ञानिक कारण भी है, क्योंकि विज्ञान के मुताबिक मानव शरीर के हाथों में 29 दबाव केन्द्र यानी एक्युप्रेशर पॉइन्ट्स होते हैं।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के प्रेशर प्वाइंट रूपी फायदों की करें तो, (1) ताली बजाने से दिल और फेफड़ों से जुड़ी हुई अस्थमा जैसी समस्याओं में मदद मिलती है (2)पीठ, गर्दन और जोड़ों के दर्द से आराम मिलता है।(3)ताली बजाकर गठिया रोग से भी बचा जा सकता है।(4)लो ब्लड प्रेशर के मरीज़ भी इस थेरेपी की मदद ले सकते हैं।(5)पाचनतंत्र की समस्याओं में भी क्लैपिंग थेरेपी का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल से वेट लॉस में होगा फायदा!(6)क्लैपिंग थेरेपी से बच्चों की कार्यक्षमता का विकास होता है और उन्हें पढ़ाई में भी सुधार होता है ।जो बच्चे रोज़ाना ताली बजाते हैं उन्हें लिखने में भी कम परेशानी होती है और उनसे स्पेलिंग से जुड़ी ग़लतियां भी कम होती हैं। (7)ताली बजाने से बच्चों का दिमाग तेज़ होता है। (8)शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और बीमारियों से बचने के लिए भी क्लैपिंग करनी चाहिए।(9) रोज़ाना आधे घंटे ताली बजाने से मधुमेह, गठिया उच्च रक्तचाप, डिप्रेशन, पुराने सिरदर्द, जुकाम, अनिद्रा, बालों का झड़ना और आंख की समस्याओं से पीड़ित लोगों को मदद मिलती है। (10)घर और ऑफिस में हमेशा एयर कंडीशन में रहने वाले लोग जिन्हें बिल्कुल पसीना नहीं निकलता उन्हें क्लैपिंग थेरेपी का अभ्यास करना चाहिए। क्योंकि यह शरीर में रक्त के प्रवाह को सुचारु बनाकर उसे पूरी तरह से शुद्ध करता है।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के अन्य गाथाओं की करें तो, संगीत के विद्यार्थी भिन्न-भिन्न स्वरों के महत्व को समझने में सहायता के लिए और नयी रचनाओं की लय से सामंजस्य बैठाने के लिए प्रायः लिखी हुई धुन की लय को ताली द्वारा बजाते हैं। 60 सेकेण्ड में सबसे अधिक तालियां बजाने का विश्व रिकॉर्ड, 806 तालियों का है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के टिम ऐह्लस्ट्रौम के पास है।

दिल जब घबराये तो खुद को एक किस्सा सुना देना

दिल जब घबराये तो खुद को एक किस्सा सुना देना
जिन्दगी कितनी भी मुश्किल क्यूँ ना हो मुस्कुरा देना..

आसानी से सब कुछ हासिल हो तो उसकी कदर कहाँ ?
जरूरी है कुछ पाने के लिए कुछ गंवा देना..

जाहिर है मुसीबतों में साथ कोई अपना नहीं रहता
चुप रहना बेशक आँख से एक कतरा बहा देना

शिकायतें सिर्फ दिल मैला करती हैं और कुछ नहीं
आसान है रिश्ते मिल कर कभी सब कुछ भूला देना

बीते हुए दौर की बातें याद कर क्या हासिल प्यारे
क्या जरूरी है कल की याद में अपने आज को सज़ा देना

कुछ कमियां हम सब में है, ये जानते हैं हम बहुत बड़ी बात है,, किसी के ऐब को बे-वजह छुपा देना..

5 गौरवशाली भारत | उत्तरप्रदेश | नई दिल्ली सोमवार 01 अगस्त 2022 | Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को हुआ कोरोना, पॉजिटिव आई रिपोर्ट

लखनऊ। यूपी के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र भी कोरोना से ग्रस्त हो गए हैं। उनकी कोविड रिपोर्ट पाजिटिव आई है। मुख्य सचिव ने खुद ट्वीट कर कहा, शुरुआती लक्षण दिखने पर कल मैंने कोविड की जांच कराई और मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। चिकित्सकों के परामर्श का पालन करते हुए मैंने दवाओं का सेवन शुरू कर दिया है। विगत दो तीन दिनों में मेरे संपर्क में आए लोगों से अनुरोध है कि लक्षण दिखने पर कोविड के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट करा लें। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र कई दिनों से पूर्वांचल के दौरे पर थे। उनके साथ रेलवे बोर्ड के सदस्य सुधांशु शर्मा भी थे। मुख्य सचिव बिना मास्क के घूमते हुए नजर आए थे। दो दिन पहले काशी रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित इंटरमॉडल स्टेशन और कैंट रेलवे स्टेशन पर बनाने वाले रोपवे स्टेशन के निरीक्षण के लिए शनिवार सुबह करीब 8ः30 बजे प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा और रेलवे बोर्ड के इंफ्रा सदस्य सुधांशु शर्मा ने निरीक्षण किया था। जिला प्रशासन के अफसरों और रेलवे के अधिकारियों के साथ सबसे पहले मुख्य सचिव काशी रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। काशी स्टेशन के आसपास रेल कॉलोनी, सर्कुलेटिंग एरिया, नवनिर्मित नमो घाट, मालवीय पुल आदि का निरीक्षण किया था। यहां पर इंटरमॉडल स्टेशन का प्रस्तावित मॉडल भी देखा। काशी से स्पेशल कैरेज से अधिकारी कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचे थे। नवनिर्मित फुटओवर ब्रिज के पास से नई बिल्डिंग से होते हुए रोकने के लिए प्रस्तावित जगह पर पहुंचे थे।

मेरठ की पुलिस चौकी बनी अखाड़ा, पुलिस कर्मियों के बीच चले हथियार

मेरठ। मेरठ जिले की पुलिस चौकी अखाड़ा बन गई। पुलिस कर्मियों के बीच जमकर घूनी संघर्ष हुआ। पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे पर धारदार हथियारों से हमला किया। देर रात को हुई इस चाकूबाजी में एक सिपाही भी घायल हो गया। पुलिसकर्मियों के बीच हुई मारपीट की इस घटना का अब वीडियो वायरल हो रहा है। मामला कंकरखेड़ा की योगीपुरम चौकी का है। बताते हैं कि यहां सिपाही पर थानेदार के कारखास ने साथियों के साथ मिलकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में दो सिपाही और कुछ जिम संचालक के साथी शामिल थे। प्रकरण में तहरीर दी गई, लेकिन थानेदार ने मुकदमा तक दर्ज नहीं किया। वहीं एसपी सिटी ने दोनों सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है। योगीपुरम चौकी में शनिवार रात पुलिसकर्मियों के बीच भिड़ंत हो गई। चौकी पर तैनात सिपाही दीपक पर थानेदार के कारखास ओजस्वी मलिक, सिपाही अमित और कुछ बाहरी लोगों ने हमला कर दिया। धारदार हथियार से दीपक के सिर पर वार किया गया और लहूलुहान कर दिया। रात में हुए इस बवाल के दौरान दीपक के कुछ सहकर्मी सिपाही चौकी पर पहुंचे और वीडियो बना ली। दीपक का आरोप है कि ओजस्वी चौकी पर कुछ लोगों को अवैध हिरासत में रखता है।

महिला से अभद्रता, बाल पकड़कर घसीटा, फिर जेठ ने प्राइवेट पार्ट में डाला मिर्च का पाउडर

बांदा। यूपी में एक और महिला के साथ हैवानियत भरी घटना सामने आई है। इस बार की घटना बांदा की है। यहां जमीन की खातिर परिवार वाले ही महिला के लिए हैवान बन गए। इसमें घर की अन्य औरतों में भी साथ दिया। महिला को युवक ने पहले जमकर पीटा। बाल खींचे, लात-घूंसे मारे। इसके बार महिलाओं ने उसकी कपड़े फाड़ दिए। हैवानियत की इंतेहा यहीं नहीं रुकी, महिला के प्राइवेट पार्ट में जेठ ने लाल मिर्च का पाउडर डाल दिया। महिला की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो बांदा जिले के तिंदवारी गांव का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जमीन के टुकड़े की खातिर उसके ही घर वाले उसके लिए हैवान बन गए। पीड़ित महिला ने आरोप लगा कि पिटाई करने वालों ने उसके साथ अभद्रता की सारी हदें पार कर दीं। महिला का आरोप है कि मारपीट के बाद उसके जेठ ने प्राइवेट पार्ट में मिर्ची का पाउडर डाला। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर महिला की ओर से दी गई तहरीर पर मुकदमा र्द कर लिया है। घटना 25 जुलाई के बीच की बताई जा रही है। महिला ने बताया कि पहले घर वालों ने उसके बाल पकड़कर खींचे, फिर उसे जमकर पीटा। इतने से भी मन नहीं भरा तो घर की अन्य महिलाओं ने उसके कपड़े फाड़ दिए। उसके साथ अश्लील हरकतें की गईं। बाहर ले जाकर अर्धनग्न हालत में सड़क पर घुमाया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि बड़ी मुश्किल से वह भागी और अपनी जान बचाई।

खेल-खेल में भाजपा नेता के बेटे से चली पिस्टल, सीने में गोली लगने से दोस्त की मौत

मंझनपुर (कौशाम्बी)। यूपी के कौशांबी में खेल-खेल में एक बच्चे की जान चली गई। मामला करारी का है। भाजपा नेता के बेटे ने बेड पर रखी पिता की पिस्टल चला दी। गोली साथ में खेल रहे दोस्त के सीने में लगी। उसे जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। करारी के अशोक नगर निवासी संजय जायसवाल भाजपा के जिला महामंत्री हैं। शनिवार को संजय जायसवाल घर के बाहर थे। बेड पर तकिए के नीचे उनकी पिस्टल रखी थी। भाजपा नेता का बेटा वेदांत (10) और पड़ोसी अनंत (12) पुत्र रामेश्वर प्रसाद शनिवार की शाम करीब पांच बजे घर में खेल रहे थे। अचानक बच्चों ने तकिए के नीचे रखी पिस्टल निकाल ली। खेल-खेल में भाजपा नेता के बेटे से पिस्टल से फायर हो गया। गोली अनंत के सीने में लगी। गोली चलने की आवाज सुन परिजन पहुंचे। वहां अनंत खून से लथपथ पड़ा मिला। वही भाजपा नेता का बेटा चीख-चिल्ला रहा था। अनंत को लोग जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान अनंत की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नहर में बंधा खोलवाने के लिए गए जूनियर इंजीनियर को पीटा, की अभद्रता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज के अहमदखेड़ा में अमौसी रजबहा में बंधा लगाकर कुछ लोगों ने नहर का पानी रोक लिया। शिकायत पर पहुंची सिंचाई विभाग की टीम ने बंधा खोलवाने की कोशिश की तो दबंगों ने जेई पर हमला बोल दिया। पुलिस ने जेई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। लखनऊ खण्ड- 2 शारदा नहर के जूनियर इंजीनियर रमेश चन्द्र ने बताया कि शनिवार को अमौसी रजबहा पर स्टाफ के मेठ लोहना, सरोजनीनगर के मनोज कुमार व निधान खेड़ा उन्नाव के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राम प्रकाश के साथ नहर की जांच कर रहे थे। कर्मचारी जब अहमद खेड़ा पहुंचे तो नहर को ही बांध लिया गया था। टीम ने नहर का बंधा तोड़वाने की कोशिश की तो गांव के अशोक कुमार, छतरु व अन्य कई लोग उग्र हो गए और सिंचाई विभाग की टीम से अभद्रता शुरू कर दी। टीम ने फोन से जेई रमेश चन्द्र को फोन पर सूचना दी। जेई जब मौके पर पहुंचे तो इन लोगों ने डंडे व फावड़े से हमला कर दिया।

एडिमिशन संकट : लखनऊ के टॉप कॉलेजों में एक सीट तीन गुना से ज्यादा आवेदन

लखनऊ। यूपी बोर्ड, सीबीएसई और सीआईएससी बोर्ड से 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की स्नातक में प्रवेश की दौड़ मुश्किल होने वाली है। लखनऊ विश्वविद्यालय समेत सम्बद्ध कॉलेजों की सूची में टॉप के डिग्री कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए छात्रों के सामने मुश्किल खड़ी होने वाली है। बीए, बीएससी, बीकॉम के साथ बीबीए, एलएलबी जैसे पाठ्यक्रमों में एक सीट के मुकाबले चार से पांच गुणा आवेदन आ चुके हैं। अभी ये संख्या और बढ़नी तय है क्योकि सभी अधिकांश कॉलेजों में आवेदन तिथि 12 से 15 अगस्त तक जाना तय है। नेशनल कॉलेज, आईटी कॉलेज, शिया पीजी कॉलेज, अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रवेश लेने के लिए छात्र-छात्राओं की प्राथमिकता में रहते हैं। इन सभी कॉलेजों में सीटों की तुलना में बम्पर आवेदन आए हैं। इसलिए जिन कॉलेजों में मेरिट पर प्रवेश है। वहां मेरिट बहुत ज्यादा जाएगी और जिन कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा होगी वहां आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं को सख्त तैयारी करनी होगी। नेशनल पीजी कॉलेज में स्नातक के लिए आवेदन अभी दो अगस्त किया जा सकता है। अभी तक आए आवेदनों में सबसे ज्यादा आवेदन बीकॉम में प्रवेश के लिए आए हैं। बीकॉम की 550 सीटों के लिए 3800 के करीब ऑनलाइन आवेदन तक आ चुके हैं।

लेखपाल भर्ती परीक्षा : एसटीएफ ने वाराणसी और बरेली में पकड़े सॉल्वर, पूरे यूपी से 21 को उठाया

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में हो रही लेखपाल भर्ती परीक्षा में एसटीएफ ने प्रदेश के कई जिलों में कार्रवाई की है। रविवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित लेखपाल भर्ती परीक्षा में सॉल्वर और नकल के आरोपी अभ्यर्थियों समेत 21 लोग विभिन्न जिलों से गिरफ्तार। यह परीक्षा प्रदेश के 12 जिलों के 501 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। एसटीएफ की अलग अलग इकाइयों ने की कार्रवाई। अभी तक पेपर लीक के सुबूत नहीं मिले हैं। चार वाराणसी और एक बरेली से साल्वर पकड़े गए हैं। पकड़े गए सॉल्वरों के पास से फर्जी आधार और फोटो बरामद किया है।

अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, बरेली, मेरठ, गोरखपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ व वाराणसी के परीक्षा केन्द्रों पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक एक पाली में राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा का आयोजन किया गया। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि इस परीक्षा में अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर सॉल्वर बैठाने एवं अन्य माध्यमों से परीक्षा की शुचिता भंग करने वाले गैंग की सक्रियता की सूचना मिली थी।

वाराणसी व कानपुर से हुई गिरफ्तारी

एसटीएफ मुख्यालय की टीम ने डीएसपी लाल प्रताप सिंह के निर्देशन में अभियुक्त नरेन्द्र कुमार पटेल निवासी फूलपुर प्रयागराज एवं संदीप पटेल निवासी झूंसी प्रयागराज को गिरफ्तार किया। जानकारी मिली कि ब्लूटूथ के माध्यम से परीक्षा में नकल कराई जा रही है। परीक्षा केंद्र आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज वाराणसी से दिलीप गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ टीम ने दिलीप गुप्ता को कान में लगी डिवाइस के साथ दबोचा।

एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने ईश्वर प्रेम विद्या मंदिर नैनी प्रयागराज से अभ्यर्थी दिनेश कुमार साहू को ब्लूटूथ डिवाइस के साथ गिरफ्तार किया। डीपीएस इंटर कॉलेज नवाबगंज कानपुर से अभ्यर्थी करण कुमार को ब्लटूथ डिवाइस के साथ गिरफ्तार किया गया।

पटना से बुलाया गया था सॉल्वर

एसटीएफ मुख्यालय के डीएसपी प्रमेश कुमार शुक्ल के निर्देशन में एक टीम ने परीक्षा केंद्र एजल कार्मल इंटर कॉलेज मड़ियांव लखनऊ से सॉल्वर राजू कुमार को गिरफ्तार किया। पटना निवासी राजू कुमार गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित राम जानकीनगर निवासी अभ्यर्थी रूपेश कुमार की जगह परीक्षा दे रहा था। इसी टीम ने बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी बेलीगारद अलीगंज लखनऊ से सॉल्वर संजय कुमार यादव को गिरफ्तार किया। वह गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित सिंहासनपुर निवासी अभ्यर्थी अमित यादव के स्थान पर परीक्षा दे रहा था।

एसटीएफ मेरठ ने संदीप कुमार निवासी बागपत और उसके स्थान पर परीक्षा देने वाले सॉल्वर मोहित निवासी सोनीपत को मुरादाबाद के स्वरूपी देवी मेमोरियल इंटर कॉलेज मझोला से गिरफ्तार किया। परीक्षा केंद्र टीएमएस कॉलेज सिविल लाइंस मुरादाबाद से सॉल्वर रविन्द्र कुमार निवासी गोहना सोनीपत को गिरफ्तार किया।

वह अभ्यर्थी आर्यन निवासी निवासी रठौरा थाना छपरौली बागपत के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। साथ ही नीरज निवासी चिराना थाना बरौदा सोनीपत को नकल में सहयोग देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

अभ्यर्थियों से वसूले थे 10-10 लाख

एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने मुख्य अभियुक्त विजय कांत पटेल निवासी अतनपुर थाना बहरिया प्रयागराज, उसके सहयोगी दिनेश कुमार यादव निवासी राजेपुर थाना बहरिया प्रयागराज और सोनू कुमार निवासी सराय अजीज थाना बहरिया प्रयागराज को गिरफ्तार किया। विजय ने परीक्षा में कुल सात अभ्यर्थियों से 10-10 लाख रुपये वसूले थे और सभी को ब्लूटूथ ईयर बर्ड एवं ब्लूटूथ डिवाइस देकर नकल का इंतजाम कराया था। प्रयागराज इकाई की सूचना पर ही एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने अभ्यर्थी पुष्पेन्द्र को परीक्षा केंद्र उदय प्रताप इंटर कॉलेज भोजूबीर वाराणसी से और एसटीएफ की कानपुर नगर इकाई ने जय सिंह पटेल को माया देवी बालिका इंटर कॉलेज गोविन्दनगर कानपुर नगर ने गिरफ्तार किया।

हमीरपुर में दारोगा ने महिला को दी थर्ड डिग्री, घर के अंदर बेरहमी से पीटा फिर तीन दिन अवैध हिरासत में रखा, सस्पेंड

हमीरपुर। एक बार फिर यूपी पुलिस का हैवानियत भरा चेहरे सामने आया है। हमीरपुर में दारोगा ने एक महिला के साथ जो किया उसे सुनकर आपकी भी रूह कांप जाएगी। दरअसल गांव की एक महिला अपने पति के कथित चोरी के आरोपों की वजह से पुलिस की हैवानियत का शिकार हुई। तीन दिन पूर्व पति की तलाश में दबिश देने पहुंची राठ पुलिस ने पति के न मिलने पर उसकी पत्नी को घर के अंदर बेरहमी से पीटा।

इतना ही नहीं दरोगा जब हैवान बना हुआ था, तब उसने महिला पुलिस कर्मी को घर के बाहर कर दिया, इसके बाद घर में तोड़फोड़ भी की गई। इसके बाद दारोगा महिला को कोतवाली ले गया जहां पर उसे थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। दारोगा का इतने से भी मन नहीं भरा तो उसे तीन दिनों तक अवैध हिरासत में रखा। मामले की जानकारी होते ही एसपी ने आरोपी दारोगा को तुरंत सस्पेंड कर दिया। साथ ही सीओ राठा को मामले की जांच सौंपी है। सूत्रों के मानें तो अभी और लोगों पर कार्रवाई हो सकती है।

दरोगा को बचाने के पैंतरे आजमा रहे थे कोतवाल

मंजुल के साथ हुई बेरहमी के बाद राठ कोतवाल दिनेश सिंह दरोगा के बचाव में उतर आए, लेकिन दारोगा को सस्पेंड होने से नहीं बचा सके। कोतवाल ने बताया कि महिला के आरोप निराधार हैं। महिला के पति सीताराम के ऊपर चोरी का मुकदमा दर्ज है। महिला पर मुकदमा दर्ज कराने वाले व्यक्ति के साथ गाली-गलौज कर रही थी, जिस वजह से उसका शांतिभंग की धाराओं में चालान किया गया है। एक महिला को तीन दिन तक अवैध हिरासत में रखने के बाद शांतिभंग में चालान पुलिस का सिर्फ लीपापोती का प्रयास है। सीएचसी पहुंची मंजुल को चलने-फिरने में दिक्कत हो रही थी।

महिला के पति की चोरी के इल्जाम में पुलिस को तलाश

बिलरख गांव की मंजुल पत्नी सीताराम को शनिवार को पुलिस सीएचसी लेकर आई थी। मंजुल ने कोतवाली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि बीते तीन दिन पूर्व राठ कोतवाली का दरोगा देवीदीन व कुछ अन्य पुलिसकर्मी उसके पति सीताराम को चोरी के आरोप में पकड़ने आए हुए थे। उसी समय वह सब्जी लेकर अपने घर पहुंची थी। तभी वहां मौजूद दरोगा देवीदीन उसे लाठी मारते हुए घर के अंदर ले गया। महिला पुलिस कर्मी को बाहर कर दिया। उसके बाद उक्त दरोगा ने उसे बेरहमी से मारापीटा और घर में तोड़फोड़ की। बाद में पुलिस कर्मी उसे अपने साथ कोतवाली ले गए, जहां उसे एक कमरे में तीन दिन से बंद करके रखा है। मंजुल का कहना है कि दरोगा द्वारा की गई मारपीट से उसके चोटें आई हैं। चलने-फिरने एवं बैठने के लायक भी नहीं बची है।

नाकामी छिपाने के लिये भाजपा चित्रकूट में कर रही है चिंतन मनन : अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ। चित्रकूट में उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग को निशाने पर लेते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चित्रकूट में जारी भाजपा का चिंतन-मनन अपनी नाकामियों को छुपाने और जनता को अपने छलबल से भ्रमित कर उससे वोट बटोरने तक सीमित है।

यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा विकास की चर्चा से परहेज करती है। भाजपा सत्ता के लिए झूठ फरेब की राजनीति करती है। कभी चित्रकूट तो कभी अयोध्या, काशी और मथुरा का मुद्दा पनपाना एजेण्डा है। सत्ता पर कब्जा और केवल सत्ता पर कब्जा यही भाजपा का प्रथम और अंतिम ध्येय है जिसके इर्द गिर्द उसकी राजनीति घूमती रहती है। भाजपा-आरएसएस का एकमात्र काम समाज को बर्बाद करने का है।

उन्होने कहा कि भाजपा का ताजा एजेण्डा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र को हाशिये पर पहुंचाकर सत्ता में अपना वर्चस्व बनाए रखना है। भाजपा सरकार को जनता की चिंता नहीं है। भाजपा की कोई भी योजना जनहित में नहीं है। भाजपा-आरएसएस के सांप्रदायिक एजेण्डा से ही कट्टरपंथी संगठन उभर कर सामने आ गये हैं। भाजपा चिंतन-मंथन से दूर केवल भोजन-विश्राम के सहारे अपना स्वार्थ चिंतन करती है। विकास कैसे अवरूद्ध हो, इसके लिए वह तीन तिकड़म सिखाने के लिए ही प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करती है।

एसटीएफ ने बरेली में दबोचा लेखपाल भर्ती परीक्षा का सॉल्वर

बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को लेखपाल भर्ती परीक्षा के दौरान बरेली के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए एक मुन्ना भाई को धर दबोचा।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में नालंदा बिहार का रहने वाला सॉलवर रामपुर जिले के अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा है।

एडीएम सिटी डॉ राम दुलारे पांडे ने बताया कि एसटीएफ की टीम ने जिला प्रशासन की संयुक्त टीम के साथ अभियान चलाकर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में रामपुर के एक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने वाले एक युवक को पकड़ा है. उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएससी) की राजस्व लेखपाल भर्ती मुख्य परीक्षा रविवार को 27 परीक्षा केंद्रों पर पर रविवार सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक थी। परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच चल रही थी कि एसटीएफ को सॉल्वर गैंग के सक्रिय होने की जानकारी मिली जिसके बाद एसटीएफ ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में छापा मारा। इसमें बिहार के नालंदा के वार्ड -07 निवासी राजीव कुमार 26 को पकड़ा लिया। वह रामपुर के अभ्यर्थी रिंकू कुमार के स्थान पर एग्जाम दे रहा था।

सांसदों से समर्थन जुटाने का प्रयास करेंगे बिजली कर्मचारी

लखनऊ। बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियरों के दो अगस्त को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में सांसदों को आमंत्रित कर उनसे इलेक्ट्रीसिटी (अमेंडमेंट) बिल के विरोध में समर्थन जुटाने का प्रयास किया जायेगा। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने रविवार को बताया कि सम्मेलन में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख सांसदों को निमंत्रित किया गया है। सम्मेलन में एक प्रस्तुतीकरण के जरिये इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 के दुष्परिणामों से सांसदों को अवगत कराया जाएगा और इसके विरोध में उनसे जन आंदोलन के लिये समर्थन मांगा जाएगा ।

यूपी में एनआईए की छापेमारी : देवबंद में मदरसा छात्र हिरासत में, आईएस माड्यूल से जुड़े हैं तार

लखनऊ। सहारनपुर के देवबंद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी और यूपी एटीएस ने छापेमारी कर एक मदरसे के छात्र को हिरासत में लिया है। कर्नाटक के रहने वाले छात्र फारूक के तार आईएस माड्यूल से जुड़े थे। मिल रही जानकारी के अनुसार, छात्र कई भाषाओं का जानकार है। ऐप के जारिए आईएस माड्यूल के जुड़ा था। इससे एनआईए ने 23 जून को मदरसा जकरिया से रोहिंग्या छात्र को भी पकड़ा था। 15 अगस्त को लेकर एनआईए और यूपी एटीएस की टीमें हाई अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में एनआईए और यूपी एटीएस की सुबह देवबंद पहुंची। पहले से मिले इनपुट पर टीम ने छात्र फारूक को धर दबोचा। टीम फारूक को अपने साथ ले गई।

23 जून को भी एनआईए की टीम ने रोहिंग्या छात्र को लिया था हिरासत में

23 जून को भी एनआईए की टीम ने देवबंद-मुजफ्फरनगर स्टेट हाईवे स्थित एक मदरसे में पहुंची थी। टीम ने मदरसे से कक्षा छह में पढ़ रहे रोहिंग्या शरणार्थी छात्र मुजीबुल्लाह पुत्र हबीबुल्लाह (19) को हिरासत में लिया था। एनआईए द्वारा हिरासत में लिया गया छात्र सोविता फरिका राज्य अरकान म्यांमार निवासी बताया जा रहा है। मुजीबुल्लाह एक माह से देवबंद में रहकर इस्लामी तालीम ले रहा था। छात्र को हिरासत में लेकर एनआईए की टीम देबवंद कोर्ट में पहुंची। जहां पर उसे अदालत के सामने पेश किया गया। अदालत के आदेश पर टीम छात्र को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

यूपी की जेलों से मोबाइल पर माफियाराज अब नहीं, 4 जी में तब्दील होंगे 3 जी जैमर

गोरखपुर। यूपी की हाई सिक्योरिटी जेलों से मोबाइल पर माफियाराज अब नहीं चलेगा। 3 जी जैमर 4 जी में तब्दील किए जाएंगे। बता दें कि प्रदेश की विभिन्न जेलों में 221 जैमर लगाए गए हैं, गोरखपुर में लगे 3जी जैमर को 4जी में अपग्रेड किया जाएगा। मोबाइल सिग्नल डिफ्लेक्टर पर भी काम हो रहा है।

तिहाड़ जेल में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस पर काम किया जा रहा है। अगर मोबाइल डिफ्लेक्टर कारगर होता है तो मोबाइल सिग्नल जेल के अंदर चलेंगे ही नहीं। इसकी लागत भी कम है। थ्री जी जैमर को फोर जी में बदलने में जितनी लागत आ रही है उससे काफी कम में मोबाइल सिग्नल डिफ्लेक्टर लग जाएगा। फिलहाल हाई सिक्योरिटी वाली जेलों में 3जी जैमर को 4जी में अपग्रेड किया जा रहा है।

यह बातें जेल महानिदेशक आनंद कुमार ने शनिवार को गोरखपुर मंडलीय कारागार के निरीक्षण के दौरान कहीं। उन्होंने गोरखपुर जेल में क्षमता से ज्यादा बंदियों की संख्या पर चिंता जताई। 1064 की क्षमता वाली जेल में 2240 से ज्यादा बंदी हैं। डीजी ने कहा कि जेल में बंदियों की भीड़ कम करने के लिए सजायाफ्ता बंदियों को वरीयता एवं प्राथमिकता के आधार पर ट्रांसफर किया जाएगा।

शनिवार की सुबह 10: 40 बजे डीजी आनंद कुमार जेल पहुंचे जहां पुलिस के जवानों ने सलामी दी, इसके बाद बिस्मिल शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। बिस्मिल शहादत स्थली, शहीद स्मारक, फांसी घर, बिस्मिल कोठरी के रखरखाव को लेकर जेल अधिकारियों को निर्देश दिए।

निरीक्षण में नहीं मिली कोई खामी

जेल परिसर में बंदियों ने स्वागत गीत गाकर डीजी का स्वागत किया। बंदियों ने अपनी कलाकृतियां भी डीजी के सामने प्रस्तुत कीं। डीजी जेल ने जेल प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी तरह की खामी नहीं मिली। न ही किसी बंदी ने कोई शिकायत की। जेल अधीक्षक ओपी कटियार के कार्यों की सराहना करते हुए डीजी ने कहा कि जेल के रख-रखाव में कहीं से कोई कमी नहीं मिली। व्यवस्था दुरुस्त मिली है। इस दौरान जेल अधीक्षक ओपी कटियार, जेलर प्रदीप कश्यप, डिप्टी जेलर बृजेश पांडेय, डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश मौजूद रहे।

समाचारों को तथ्यपरक में डाटा की भूमिका अहमः कठेरिया

इटावा। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रो.रामशंकर कठेरिया ने रविवार को कहा है कि समाचारों को तथ्यपरक और विश्वसनीय बनाने में डाटा एवं ग्राफिक्स की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। आईएसबी संस्था के सहयोग से इंडिया डाटा पोर्टल (आईडीपी) द्वारा आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुये श्री कठेरिया ने कहा कि पत्रकारों को पोर्टल में उपलब्ध डाटा के मदद से खबरों को तथ्यों के साथ छापने में आसानी होगी। किसी ऐसी घटना जिसमे कोई जानकारी और डाटा उपलब्ध नही है उससे संबंधित खबर छापने में संस्था के लिये भी मददगार होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में देखे जाने वाले पत्रकारों का दायित्व है कि उनकी विश्वनीयता बनी रहे।

बाराबंकी : सरयू नदी में मछली पकड़ने गए तीन लोग डूबे, मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में सरयू नदी में मछली पकड़ने शनिवार की शाम को गए दो सगे भाई समेत तीन बालकों नदी में डूब गए। देर रात वापस ना आने पर घर वालों ने खोजबीन शुरू की। सूचना पर पुलिस भी पहुंची। रात को काफी तलाश की गई मगर कुछ नहीं पता चला। रविवार की सुबह तीनों युवकों के शव सरयू नदी से बरामद किए गए। घटनास्थल पर मौजूद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मामला टिकैतनगर थाना क्षेत्र के बेलखरा गांव का है।

शनिवार की शाम को गए थे मछली पकड़ने

टिकैत नगर कोतवाली क्षेत्र के बेलखारा गांव के निवासी सलाउद्दीन (12) अपने भाई कुतुबुद्दीन (14) पुत्र ताजुद्दीन व दोस्त मोहम्मद कासिम उर्फ इरफान (16) पुत्र शाहिद अली के साथ गांव से कुछ दूर बह रही सरयू नदी में मछली का शिकार करने गए थे। देर शाम घर वापस ना आने पर तीनों के परिजनों ने खोजबीन शुरू की। बालकों के दोस्तों ने मछली पकड़ने की बात बताई तो परिजन सरयू किनारे पहुंचे। सूचना पर टिकैतनगर पुलिस भी मौके पर पहुंची। देर रात तक खोजबीन चलती रही मगर तीनों बालकों का कोई पता नहीं चला। रविवार की सुबह से पुलिस गोताखोरों के साथ बालकों की तलाश में लग गई। कुछ ही देर में तीनों का शव सरयू नदी से बरामद हो गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। खासतौर से ताजुद्दीन के दो पुत्रों की मौत से पूरा परिवार बेसुध हो गया।

चित्रकूट के जिला अस्पताल का निरीक्षण करने निकले डिप्टी सीएम

चित्रकूट। चित्रकूट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चल रहे प्रशिक्षण वर्ग शिविर के तीसरे और अंतिम दिन रविवार को अचानक उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक जिला चिकित्सालय पहुंच कर मरीजों से मिलने लगे। उनके औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन सकते में आ गया।

श्री पाठक ने वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत की और अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने लापरवाही मिलने पर डॉक्टरों को सख्त निर्देश दिए।

अस्पताल की वायरिंग इधर-उधर फैली और खुली होने पर नाराजगी जताते हुए इसे तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम ने अस्पताल कैंपस में खड़ी एंबुलेंस को भी बारीकी से चेक किया मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए निर्देश दिए।

ओएसओपी के प्लेटफार्म से दौड़ेगी ओडीओपी एक्सप्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेहद महत्वाकांक्षी योजना ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) को नई पहचान मिलेगी।

इस योजना के तहत एक जिले में पड़ने वाले सभी रेलवे स्टेशनों पर संबंधित जिले के ओडीओपी उत्पाद उस स्टेशन के सबसे प्रमुख प्लेटफॉर्म की उस जगह पर उपलब्ध होंगे, जहां सर्वाधिक लोगों का आना-जाना होता है। संबंधित प्लेटफार्म पर ओडीओपी के आकर्षक स्टाल लगाए जाएंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया अगर आपकी ट्रेन अयोध्या से गुजर रही है तो इस जिले में पड़ने वाले सभी स्टेशनों (अयोध्या, अयोध्या कैंट, बिल्हर घाट, बड़ा गांव, भरतकुंड, देवराकोट, दर्शननगर, गौरिया मऊ, मसौधा, रौजागांव, सालारपुर, सोहावल, गोसाईगंज, रूदौली और आचार्य नरेंद्रनगर) तक अयोध्या की ओडीओपी में शामिल गुड़ अपनी पूरी मिठास और रेंज के साथ दिख जाएगा। इसी तरह अगर आप आप अमेठी, सुल्तानपुर और प्रयागराज से गुजरते हैं तो आपको मूंज के विविध एवं खूबसूरत उत्पाद दिख जाएंगे। प्रतापगढ़ से गुजरते समय आंवले के खट्टे-मीठे प्रसंस्कृत उत्पाद आपका ध्यान जरूर खीचेंगे। मर्जी हो तो खरीदिए, अन्यथा जो भी वेंडर होगा उसका विजिटिंग कार्ड ले लीजिए। घर से भी ऑर्डर करने पर ऑनलाइन डिलेवरी की सुविधा उपलब्ध होगी।यही नहीं हर 15 दिन के बाद वेंडर बदल जाने के कारण आपको उत्पादों की नई रेंज उपलब्ध होगी।

इस बारे में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल एवं रेलवे के अधिकारियों के बीच बैठक हो चुकी है। बैठक में यह तय हुआ कि स्टॉल्स में एकरूपता के लिए इनको एक स्टैंडर्ड साइज (6म5 या 6म10 फीट और कुल ऊंचाई 10 फीट) में रेलवे उपलब्ध कराएगा।

शार्ट न्यूज

शाम आठ बजे तक 5.64 करोड़ रिटर्न दाखिल

नयी दिल्ली। आकंलन वर्ष 2022-23 के लिए आयकर रिटर्न भरने की अंतिम दिन आज शाम आठ बजे तक 5.64 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किये जा चुके हैं। आज शाम आठ बजे तक 54 लाख से अधिक रिटर्न भरे गये थे। आयकर विभाग ने आज यहां बताया कि आठ बजे तक 5398348 रिटर्न दाखिल किये गये जिसमें से अंतिम एक घंटे में 495505 रिटर्न भरे गये हैं। अब तक कुल मिलाकर 5.64 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किये जा चुके हैं। रिटर्न भरने की अंतिम तिथि आज है और अब तक इसके बढ़ाये जाने के कोई संकेत नहीं है1 आयकर विभाग लोगों से पहले से ही अंतिम समय तक का इंतजार नहीं करने की अपील कई बार कर चुका है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.15 अरब डॉलर गिरकर 571.6 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.15 अरब डॉलर गिरकर 571.6 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.54 अरब डॉलर कम होकर 572.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 22 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.43 अरब डॉलर कम होकर 510.14 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 14.5 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 38.5 अरब डॉलर पर रहा। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.96 अरब डॉलर पर रहा। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 2.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.96 अरब डॉलर हो गया।

सोना 540 और चांदी में 2388 रुपये की साप्ताहिक तेजी

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्रओं के मुकाबले डॉलर के सुस्त रहने से बीते सप्ताह वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में आई तेजी की बदौलत घरेलू सर्राफा बाजार में सप्ताहांत पर सोना 540 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 2388 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में तेजी का रुख रहा। सोना हाजिर 19.98 डॉलर प्रति औंस मजबूत होकर सप्ताहांत पर 1754.19 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 15.6 डॉलर प्रति औंस की तेजी लेकर 1750.60 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.91 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 19.80 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह विदेशी बाजार की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी देखा गया। सप्ताहांत पर सोना 540 रुपये की बढ़त लेकर 51269 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान सोना मिनी 909 रुपये चढ़कर 51249 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में वैश्विक तेजी के साथ ही स्थानीय स्तर पर मांग मजबूत रहने से चांदी 2388 रुपये की तूफानी तेजी लेकर 57920 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। साथ ही चांदी मिनी 2202 रुपये उछलकर सप्ताहांत पर 58369 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

सोना, चांदी में घटबढ़, सिक्का मजबूत

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी तेजी लिए रहे। इस दौरान सोना 250 रुपये तथा चांदी 2900 रुपये उछलकर बिकी। चांदी सिक्का मजबूत बताया गया। कारोबार की शुरुआत में सोना 52100 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 52350 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 56000 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 58900 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 52400 नीचे में 51850 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 59000 तथा नीचे 55500 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1766 डॉलर तथा चांदी 2034 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल : सोयाबीन रिफाइंड, मूंगफली तेल महंगा

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी से भाव मजबूती लिए रहे। कारोबार में सोयाबीन रिफाइंड तथा मूंगफली तेल महंगा बिका। तिलहनों में भाव मजबूत बताए गए। कपास्या खली में नरमी दर्ज की गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1620 से 1640 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1640 से 1650 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1205 से 1210 रुपये पर खुलकर 1280 से 1285 रुपये बिका। पाम तेल 1255 से 1260 रुपये खुलकर 1330 से 1335 होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव तेजी लिए बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में 50 रुपये की नरमी दर्ज की गई।

इंदौर अनाज मंडी : तुअर, मूंग, उड़द मजबूत, दालों मे तेजी

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के साथ सप्ताहांत दलहन जिन्सों में तेजी दर्ज की गई। इस दौरान दालों में मजबूती बताई गई। मूंग तुअर सहित सभी दाल तथा मोगर महंगे बिके। चावल में उठाव सुधार लिए बताया गया। सप्ताहांत चना कांटा 4900 से 4925 रुपये खुलने के बाद 4975 से 5000 रुपये होकर बंद हुआ। मूंग 6300 से 6500 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 5400 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 6400 से 6700 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 6000 से 7400 रुपये खुलने के बाद 6500 से 7900 रुपये होकर थमी। उड़द 6800 से 7300 रुपये खुलकर 7700 से 8000 रुपये बोला गया। मसूर 6900 से 6925 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6800 से 6825 रुपये होकर प्रति क्विंटल बिकी। दालों में मांग से मजबूती दर्ज की गई। हालांकि शुरुआत में तुअर दाल सस्ती बिकी जबकि सप्ताहांत चना, तुअर, मूंग दाल, मूंग मोगर, उड़द दाल में भाव ज्यादा हुए। कारोबार के मध्य चावल तथा पोहा में ग्राहकी बताई गई।

इंदौर किराना बाजार : शक्कर सुधरी, खोपरा गोला, साबूदाना मजबूत

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर ऊंची बिकी। खोपरा गोला में उठाव बढ़ा रहा इससे भाव ऊंचे बोले गए। हल्दी में मांग रही। साबूदाना मजबूती लिए रहा। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3575 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3550 से 3600 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। सोमवार को खोपरा गोला 168 से 190 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुलने के बाद 180 से 205 रुपये प्रति किलो बिका। लग्नसरा के कारण हल्दी में मांग सुधार लिए रही इसमें व्यापार 100 से 162 रुपये की रंगत पर सौदे हुए। खोपरा बूरा में कामकाज 1950 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम पर खुलने के बाद 2000 से 3500 रुपये बिका। साबूदाना में उठाव बताया गया। इससे महंगा बिका।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में रविवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं होने से आम आदमी के लिए यह राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड 103.97 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 1.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के अगले माह से ब्याज दरों में वृद्धि की रफ्तार धीमी करने के संकेत से हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह पौने तीन प्रतिशत की तेजी पर रहे घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की प्रस्तावित मौद्रिक नीति समीक्षा पर निवेशकों को नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1498.05 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर तीन माह के उच्चतम स्तर 57570.25 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 438.8 अंक उछलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 17158.25 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन अवधि में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। सप्ताहांत पर मिडकैप 390.53 अंक की तेजी लेकर 24050.90 अंक स्मॉलकैप 282.97 अंक मजबूत होकर 27056.38 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (ओएमसी) की पिछले सप्ताह हुई बैठक में आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत दरों में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। फेड के इस कदम के बाद दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी करने की संभावना बढ़ गई है।

ऐसे में आरबीआई की अगले सप्ताह 03 से 05 अगस्त को प्रस्तावित द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में वृद्धि किए जाने की अटकलें तेज हो गई है। इसको लेकर अगले सप्ताह निवेशक सतर्कता बरतते दिखाई दे सकते हैं, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा।

इसके साथ ही अगले सप्ताह आईटीसी, आइडिया, टाटा कॉफी, भेल, बीईएमएल, एस्कॉर्ट, डाबर, गेल, इक्रा, एवेरेडी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, फाइजर और यूको बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम आने वाले हैं। शेयर बाजार की दिशा निर्धारित करने में इन कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

एशियाई बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, ऑटो और तेल एवं गैस समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से पिछले लगातार छह दिन की तेजी के रथ पर सवार शेयर बाजार सोमवार को गिर गया। सेंसेक्स 306.01 अंक लुढ़ककर 55766.22 अंक और निफ्टी 88.45 अंक फिसलकर 16631 अंक पर रहा। मंगलवार को वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ आधा प्रतिशत से अधिक उतर गया। सेंसेक्स 497.73 अंक लुढ़ककर 55268.49 अंक और निफ्टी 147.15 अंक टूटकर 16483.85 अंक पर आ गया।

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर कंपनियों के बेहतर तिमाही परिणाम से उत्साहित निवेशकों की आईटी, टेक, रियल्टी, हेल्थकेयर, ऑटो समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली से पिछले लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद बुधवार को शेयर बाजार में रौनक लौट आई। सेंसेक्स 547.83 अंक की छलांग लगाकर 55816.32 अंक और निफ्टी 157.95 अंक उछलकर 16641.80 अंक पर रहा। इसी तरह गुरुवार को अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि करने से यूरोपीय बाजार में आई गिरावट के बावजूद स्थनीय स्तर पर निवेशकों की चौतरफा लिवाली से सेंसेक्स 1041.47 अंक की तूफानी तेजी लेकर 56857.79 अंक और निफ्टी 287.80 अंक की छलांग लगाकर 16929.60 अंक पर पहुंच गया।

विदेशी बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धातु, बेसिक मैटेरियल्स, ऊर्जा, आईटी, तेल एवं गैस और टेक समेत सभी 19 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को शेयर बाजार सवा प्रतिशत चढ़कर तीन माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स 712.46 अंक की उड़ान भरकर 29 अप्रैल के उच्चतम स्तर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 57570.25 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 228.65 अंक उछलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 17158.25 अंक पर रहा।

भारतीय शेयर बाजार पर फिदा हुए विदेशी निवेशक

जुलाई में शेयरों में लगा डाले 4,989 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। लगातार 9 माह तक बिकवाली करने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाजारों में लौट आए हैं। जुलाई में एफपीआई ने शेयर बाजारों में करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डॉलर इंडेक्स के नरम पड़ने और कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद एफपीआई एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। इससे पहले जून में एफपीआई ने शेयरों से 50,145 करोड़ रुपये निकाले थे। यह मार्च, 2020 के बाद किसी एक माह में सबसे अधिक निकासी है। उस समय एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

यस सिक्योरिटीज के प्रमुख विश्लेषक-इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज हितेश जैन का मानना है कि अगस्त में भी एफपीआई का प्रवाह सकारात्मक बना रहेगा। इसकी वजह यह है कि रुपये का सबसे खराब समय अब बीत चुका है और कच्चे तेल के दाम भी एक दायरे में कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा भारतीय कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बेहतर रहे हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 4,989 करोड़ रुपये का निवेश किया। माह के दौरान नौ दिन वे शुद्ध लिवाल रहे। इससे पहले पिछले लगातार नौ माह से एफपीआई बिकवाल बने हुए थे। पिछले साल अक्टूबर से इस साल जून तक वे भारतीय शेयर बाजारों से 2.46 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

बॉन्ड बाजार से 2,056 करोड़ रुपये की निकासी

मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, जुलाई में एफपीआई के प्रवाह की वजह फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल का बयान है।

पावेल ने कहा कि है कि अमेरिका अभी मंदी में नहीं है। पावेल के बयान के बाद धारणा में सुधार हुआ है और वैश्विक स्तर पर निवेशक अब जोखिम उठाने को तैयार दिख रहे हैं। हालांकि, जुलाई में एफपीआई ने डेबिट या बॉन्ड बाजार से 2,056 करोड़ रुपये की निकासी की है।

श्रीवास्तव का मानना है कि आगे एफपीआई का रुख क्या रहेगा, इसको अनुमान लगाने में अभी कुछ समय लगेगा।

ओला-उबर में नहीं होगा मर्जर

नई दिल्ली। शेयर्ड मोबिलिटी कंपनी ओला के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भाविश अग्रवाल ने उबर के साथ विलय की बातचीत से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है। अग्रवाल ने ट्वीट किया कि ओला बहुत प्रॉफिटेबल है और अच्छी तरह से बढ़ रही है और अमेरिकी फर्म के साथ विलय की बातचीत की खबरें बिल्कुल बकवास हैं। यदि कुछ अन्य कंपनियां भारत से अपने बिजनेस से बाहर निकलना चाहती हैं तो उनका स्वागत है! हम कभी विलय नहीं करेंगे। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि दोनों कंपनियां मर्जर पर बातचीत कर रही है। कुछ दिन पहले भी कंपनी ने दावा किया था कि उसका कैब सर्विस बिजनेस महीने दर महीने प्रॉफिटेबल बन रहा है और EV बिजनेस भी अच्छा परफॉर्म कर रहा है। कुछ महीने के भीतर ही ओला इलेक्ट्रिक भारत की बड़ी EV कंपनी बन गई है। कंपनी ने कहा था, हम भारत में इलेक्ट्रिक क्रांति में तेजी लाने और 50 करोड़ भारतीयों को सर्व करने के लिए बहुत उत्साहित है और उसी बिजनेस पर फोकस कर रहे हैं। ओला सिर्फ कैब बुकिंग की सर्विस उपलब्ध कराती है। कंपनी के पास अपनी कोई कार नहीं है। ऐप के जरिए वो कस्टमर्स को कैब और ड्राइवर्स को कस्टमर से जोड़ती है। ऐप पर हुई सभी बुकिंग्स पर किराए का 15 प्रतिशत कंपनी कमीशन लेती है। ओला सीधे तौर पर स्की लीडिंग कंपनी ऊबर से मुकाबला करती है।

खाद्य तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में आए उबाल के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में घटबढ़ रही जबकि चना और चना दाल के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल तिलहन ‑ वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 634 रिंगिट उबलकर 4360 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी सप्ताहांत पर 8.45 सेंट की बढ़त लेकर 64.97 सेंट प्रति पाउंड हो गया।

बीते सप्ताह मूंगफली तेल 146 रुपये, सोया रिफाइंड 73 रुपये और पाम ऑयल 146 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि सूरजमुखी तेल 294 रुपये और वनस्पति तेल में 300 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, सरसों तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पुराने स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15604 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15018 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन ‑ बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर चना 50 रुपये और चना दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर चना 4450-4550, दाल चना 5450-5550, मसूर काली 8400-8500, मूंग दाल 7900-8000, उड़द दाल 9900-1000, अरहर दाल 8700-8800 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में टिकाव रहा। सप्ताहांत पर गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

फेस्टिवल सीजन में सराफा बाजार में तेजी की उम्मीद

मुंबई। भारत में सोना पहना ही नहीं जाता, लोगों की रगों में दौड़ता है। इस बात की पुष्टि गुरुवार को जारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट से भी होती है। रिपोर्ट बताती है कि इस साल अप्रैल-जून के बीच देश में सोने की मांग 43 प्रतिशत बढ़कर 171 टन रही। पिछले साल इन्हीं तीन महीनों के दौरान यह मांग महज 120 टन रही थी। वहीं सोने की ज्वेलरी की मांग भी 49 प्रतिशत बढ़कर 140.3 टन रही। पिछले साल यह सिर्फ 94 टन थी। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इस दौरान सोने की मांग 8 प्रतिशत घटकर 948.4 टन रही। 2021 में इसी दौरान यह 1,031.8 टन रही थी। WGC के CEO (भारत) सोमसुंदरम पीआर के मुताबिक, इस साल जून में अक्षय तृतीया के साथ ही शादी का सीजन था। इसके चलते घरेलू मांग बढ़ी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, बढ़ती महंगाई को देख लोगों ने सुरक्षित मानते हुए सोने में निवेश बढ़ाया है।

‘वंदे भारत’ ट्रेन के लिए टाटा स्टील ने बनाई बेहद स्पेशल सीट

नई दिल्ली। घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील अत्याधुनिक ट्रेन ‘वंदे भारत’ में लगने वाली खास सीटों की आपूर्ति सितंबर से शुरू करने जा रही है।

यह देश में अपनी तरह की पहली सीट प्रणाली होगी। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (प्रौद्योगिकी एवं नवीन सामग्री कारोबार) देवाशीष भट्टाचार्य ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी के कंपोजिट प्रभाग को वंदे भारत एक्सप्रेस की 22 ट्रेनों के लिए सीटें मुहैया कराने का ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर का मूल्य करीब 145 करोड़ रुपये है।

180 डिग्री तक घूम सकती है यह सीट

भट्टाचार्य ने कहा, ‘ये खास तौर पर डिजाइन की गई सीट हैं। ये 180 डिग्री तक घूम सकती हैं और इनमें विमानों की सीटों की तरह की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। यह ट्रेन सीट की अपनी तरह की भारत में पहली आपूर्ति है। सितंबर से इन सीटों की आपूर्ति शुरू होगी और 12 महीनों में इसे पूरा किया जाएगा।''

वंदे भारत ट्रेनों के लिए तैयार की गईं ये सीट फाइबर रिइंफोर्स्ड पॉलिमर (एफआरपी) की बनी हैं और इनकी रखरखाव लागत भी काफी कम होगी। यह सुविधाजनक होने के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने में भी योगदान देगी।

पूरी तरह घरेलू स्तर पर विकसित वंदे भारत ट्रेन 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। यह देश की सबसे तेज ट्रेनों में से एक है।

3,000 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी में टाटा ग्रुप

भट्टाचार्य ने बताया कि टाटा स्टील की शोध एवं विकास गतिविधियों पर वर्ष 2025-26 तक 3,000 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी है। यह वर्ष 2030 तक टाटा स्टील को वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच इस्पात कंपनियों में पहुंचाने के लक्ष्य का ही हिस्सा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी शोध एवं विकास पर काफी ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि टाटा स्टील सैंडविच पैनल बनाने के लिए महाराष्ट्र के खोपोली में एक नया संयंत्र लगा रही है जिसमें नीदरलैंड की एक कंपनी तकनीकी साझेदार है। इस संयंत्र में बनने वाले सैंडविच पैनलों का इस्तेमाल रेलवे एवं मेट्रो के कोच में इंटीरियर के लिए किया जाएगा।

शेयर बाजार की टॉप 10 कंपनियों में बजाज फाइनेंस और टीसीएस ने इस सप्ताह कमाया सबसे अधिक मुनाफा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,91,622.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ में बजाज फाइनेंस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,498.02 अंक या 2.67 प्रतिशत के लाभ में रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों मे बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 57,673.19 करोड़ रुपये बढ़कर 4,36,447.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 47,494.49 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 12,07,779.68 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 23,481.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,97,251.18 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस की 18,219 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,52,012.91 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी का मूल्यांकन 14,978.42 करोड़ रुपये बढ़कर 4,31,679.65 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 12,940.69 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 4,71,397.99 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 12,873.62 करोड़ रुपये बढ़कर 5,69,400.43 करोड़ रुपये पर और रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का मूल्यांकन 3,962.45 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 16,97,208.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

हालांकि, जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 7,020.75 करोड़ रुपये टूटकर 4,28,739.97 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 810.61 करोड़ रुपये का नुकसान रहा और यह 6,19,551.97 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश‑ टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी और एलआईसी का स्थान रहा।

देश को मिला पहला इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज

नई दिल्ली। भारत के ज्वैलर्स के लिए विदेशों से सोने का इंपोर्ट आसान होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत के पहले इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज को लॉन्च किया। पीएम ने गांधीनगर के पास इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में इस एक्सचेंज को लॉन्च किया है। यह एक्सचेंज फिजिकल गोल्ड और सिल्वर की बिक्री करेगा।

इस एक्सचेंज को शंघाई गोल्ड एक्सचेंज और बोर्सा इंस्तांबुल की तर्ज पर स्थापित किया गया है जो भारत को बुलियन के रीजनल हब के रूप में मजबूत स्थिति प्रदान करेगा।। ये एक्सचेंज एक साल की देरी, कई ट्रायल और ड्राई रन के बाद लॉन्च हुआ है।

बुलियन का मतलब है उच्च शुद्धता का फिजिकल गोल्ड और सिल्वर, जिसे बार, सिल्लियों या सिक्कों के रूप में रखा जाता है। बुलियन को कभी-कभी लीगल टेंडर माना जा सकता है।

इसे अक्सर सेंट्रल बैंकों गोल्ड स्टोरेज के रूप में रखती है या फिर संस्थागत निवेशकों रखते हैं।

साल 1990 के दशक में नॉमिनेटड बैंकों और एजेंसियों से सोने के आयात का उदारीकरण हुआ था। उसके बाद पहली बार भारत में कुछ ज्वैलर्स को IIBX के माध्यम से सीधे सोना आयात की अनुमति दी गई थी।

पारले ने फिर अमूल को पछाड़ा

नई दिल्ली। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स ब्रांड पारले 2021 में भारत में अपने सेगमेंट में लगातार दसवें साल मोस्ट चूजन ब्रांड बना है। कांतार इंडिया की एनुअल ब्रांड फुटप्रिंट 2022 रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। टॉप दस सबसे अधिक चुने गए FMCG ब्रांड में पारले के बाद अमूल, ब्रिटानिया, क्लिनिक प्लस, टाटा, घड़ी, नंदिनी, कोलगेट, एविन और लाइफबॉय हैं। इन ब्रांडों को कंज्यूमर रीच पॉइंट्स के आधार पर रैंक किया है। इसे कंज्यूमर की प्रोडक्ट खरीद और एक साल में खरीदारी की फ्रीक्वेंसी के आधार पर मापा जाता है। रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि 6,531 मिलियन के सीआरपी स्कोर के साथ पारले लगातार 10वें साल टॉप स्थान को हासिल करने में सफल रहा है। ब्रांड ने पिछले साल की रैंकिंग के मुकाबले सीआरपी में 14त्न की बढ़ोतरी दर्ज की।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में जियो का दबदबा कायम

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल के मोबाइल ग्राहकों के मई 2022 के आंकड़े जारी किए हैं। ट्राई के मुताबिक मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में रिलायंस जियो पहले स्थान पर कायम है। मई में जियो ने सबसे ज्यादा 3.94 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं।

इससे सर्किल में जियो के ग्राहक 3.61 करोड़ के पार पहुंच गई है। इस दौरान एयरटेल के मोबाइल ग्राहक मात्र 31.1 हजार बढ़कर 1.52 करोड़ हो गए। वोडाफोन आइडिया ने भी सिर्फ 79.7 हजार ग्राहक जोड़े हैं।

मप्र-छग सर्किल में वोडा आइडिया के 1.98 करोड़ ग्राहक हैं। BSNL के ग्राहक 11.6 हजार घटकर 58.9 लाख हो गए। सर्किल में जियो का मार्केट शेयर 46.84 प्रतिशत, वोडा आइडिया का 25.76 प्रतिशत, एयरटेल का 19.75 प्रतिशत और BSNL का 7.65 प्रतिशत है।

जियो ने 20.6 हजार फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े

जियो मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहकों के मामले में भी पहले स्थान पर है। जियो फाइबर के ग्राहक 4 लाख के पार पहुंच चुके हैं। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक जियो ने मई में 20.6 हजार फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े। सर्किल में अब जियो फाइबर के 4.24 लाख ग्राहक हैं। एयरटेल के मई में 3.6 लाख और BSNL के 2.73 लाख वायरलाइन ग्राहक हैं। मप्र-छग में भारती एयरटेल ने सिर्फ 1007 ब्रॉडबैंड वायरलाइन ग्राहक जोड़े। मई 2022 में पूरे देश में कुल 114.05 करोड़ मोबाइल ग्राहक हैं। इसमें जियो के 40.8 करोड़, एयरटेल के 36.2 करोड़, वोडा आइडिया के 25.8 करोड़ और BSNL के 11.27 करोड़ ग्राहक हैं।

शार्ट न्यूज

रॉयल रेंजर्स की रोमांचक जीत

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग में रविवार को खेले गए रोमांचक मैच में रॉयल रेंजर्स ने हिंदुस्तान एफसी को 4-3 से हराकर अपनी स्थिति मजबूत की तो लगातार पिछड़ रहे हिंदुस्तान को एक और करारा झटका सहना पड़ा। विजेता के लिए गौरव ने दो, जबकि डेली और थांगमिन ने एक एक गोल जमाए। हिन्दुस्तान के गोल बेन लेस (2) और चार्ल्स ने किए। भले ही आज का मैच रोमांचक रहा लेकिन अंबेडकर स्टेडियम पर सोमवार को खेले जाने वाले चिर प्रतीक्षित मुकाबले की चर्चा रही । सुदेवा और दिल्ली एफसी के बीच चार बजे खेले जाने वाले मैच में जीत चाहे किसी की भी हो लेकिन रोमांचक खेल की उम्मीद हर किसी को है। दोनों ही टीमें अभी अजेय रिकार्ड के साथ आगे बढ़ रही हैं। फिलहाल गढ़वाल और भारतीय वायुसेना उनका पीछा कर रही हैं लेकिन सुदेवा और डीएफसी के लिए कोई टीम बड़ी बाधा नजर नहीं आती। उनके बीच का पहला टकराव जबरदस्त रहने की उम्मीद है। पिछले प्रदर्शनों को देखें तो डीएफसी का पलड़ा कुछ भारी लगता है। उसके खिलाड़ियों के पास अनुभव और योग्यता दोनों हैं लेकिन सुदेवा के युवा खून ने जोर मारा तो डीएफसी उलटफेर की शिकार हो सकती है।

हंगरी से खाली हाथ लौटे जेहान

मुंबई। भारतीय रेसर जेहान दारूवाला इस सप्ताहांत के हंगरी फार्मूला -2 से खाली हाथ लौटे और एक मुश्किल सप्ताहांत के साथ प्रेमा रेसिंग ने इस निराशाजनक महीने को अलविदा कहा। जेहान ने सीज़न की मजबूत शुरुआत करते हुए पहले छह राउंड में से पांच में पोडियम पर जगह बनायी थी लेकिन उसके बाद से टीम सीज़न के यूरोपीय स्विंग में गति नहीं ढूंढ पायी है।इस कारण जेहान बैकफुट पर आ गये हैं। सऊदी अरब की फ़ीचर रेस में 14वें से तीसरे स्थान पर पहुंचने वाले रेड बुल समर्थित रेसर ने इमोला में अग्रणी रहते हुए लगातार सबसे तेज़ लैप्स पूरे किये थे। वह फ्रांस में दूसरे स्थान पर रहे थे जबकि ऑस्ट्रिया में उन्होंने लगभग जीत हासिल कर ली थी, मगर हंगरी में जेहान और उनके साथी डेनिस हॉगर पिछड़ते चले गये। जेहान ने कहा, हंगरी भूलने लायक सप्ताहांत था। हमारे पास पूरे समय गति की कमी थी और हम कभी भी मुकाबले में नहीं थे। कुल मिलाकर यह वास्तव में एक कठिन महीना रहा है और यह स्पष्ट है कि हमारे पास गर्मी की छुट्टियों में करने के लिये बहुत काम है। हम चैंपियनशिप में बहुत ज्यादा पिछड़ गये हैं लेकिन हम एक टीम के रूप में एक साथ काम करेंगे और आने वाले हफ्तों में खुद को वापस लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

जेरेमी 19 साल की उम्र में बने भारत के 'गोल्डन बॉय', पिता बनाना चाहते थे बॉक्सर

बर्मिंघम। जेरेमी लालरिननुंगा ने बर्मिंघम में जारी राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को पांचवां मेडल दिलाया है। 19 साल के जेरेमी ने इन खेलों में भारत को दूसरा गोल्ड मेडल जिताया है। जेरेमी के वेटलिफ्टिर बनने की कहानी काफी रोचक है। जेरेमी के पिता ने उन्हें वेटलिफ्टिर नहीं बॉक्सर बनाने का सपना देखा था। 19 साल के जेरेमी आइजोल, मिजोरम के रहने वाले हैं। 26 अक्टूबर 2002 को मिजोरम के आईजोल में जन्मे भारत के सबसे होनहार युवा खिलाड़ी जेरेमी ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने के लिए स्नैच में 140 और क्लीन एंड जर्क में 160 किग्रा वजन उठाया। जेरेमी के पिता का नाम लालमैथुआवा हैं। जेरेमी के पिता राष्ट्रीय स्तर के बॉक्सर थे। जेरेमी ने सिर्फ छह साल की उम्र में अपने पिता के मार्गदर्शन में एक मुक्केबाज के रूप में अपना प्रशिक्षण शुरू कर दिया था। बाद में उन्होंने 10 साल की उम्र वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की। जेरेमी ने कोच विजय शर्मा से प्रशिक्षण लिया और बाद में उन्होंने पुणे के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी थी। जेरेमी लालरिनुंगा भारतीय सेना में नायब सूबेदार भी हैं।

जेके टायर के गौरव गिल ने कोयम्बटूर रैली में हासिल की शानदार जीत

कोयम्बटूर। रविवार को खूबसूरत केथनुर विंडमिल फार्म में फोर व्हीलर्स की ब्लूबैण्ड स्पोर्ट्स एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप के दूसरे राउण्ड में शानदार प्रदर्शन करते हुए जेके टायर के टॉप रैली स्टार गौरव गिल ने अरका मोटरस्पोर्ट्स के करना कदुर को चुनौती देते हुए कोयम्बटूर रैली में जीत हासिल कर ली। 1 मिनट और 30 सैकण्ड की बड़ी लीड लेते हुए गिल ने सुरक्षित और स्थिर गति के साथ ड्राइव करने की योजना बनाई थी। दिन के पहले दो चरणों- ब्लैक थंडर (19.65 किलोमीटर) और थंडर वर्ल्ड (14.75 किलोमीटर) में टॉप पर आने के प्रयास के बीच कदुर क्रैश कर गए। सात बार नेशनल चैम्पियन रहने के बाद उन्होंने 9 मिनट 10 सैकण्ड में इसे पूरा किया। गिल ने कहा,'मैं हमेशा से यहां तक पहुंचना चाहता था, लेकिन यह ठीक रहा, मैं परिस्थिति को जानता और समझता हूं। जोखिम लेने का कोई फायदा नहीं था, क्योकि पिछली कुछ रैलीज हमारे लिए अच्छी नहीं रहीं हैं। मैं फिर से अपने आप को उसी परिस्थिति में नहीं डालना चाहता था क्योंकि हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की थी।' लंच के बाद का सत्र रोचक रहा, जब कदुर ने गिल से 30 सैकण्ड की बढ़त ले ली। लेकिन गिल ने स्मार्ट तरीके से आसानी से आगे बढ़ते हुए टॉप पर फिनिश कर लिया। पिट पर पूरी टीम जश्न मना रही थी। आईएनआरसी 3 कैटेगरी में टॉप दो पॉज़िशन्स के साथ जेके टायर की ओर से कुछ और अच्छी खबरें आईं।

जेरेमी लालरिननुंगा ने 67 किलोग्राम भारवर्ग में जीता स्वर्ण

बर्मिंघम। भारत के जेरेमी लालरिननुंगा ने राष्ट्रमंडल खेलों की भारोत्तोलन प्रतियोगिता के 67 किलोग्राम भारवर्ग में रविवार को नए गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। भारत का इन खेलों में यह दूसरा स्वर्ण और कुल पांचवां पदक है। जेरेमी लालरिननुंगा ने स्नैच में अपने दूसरे प्रयास में 140 किलोग्राम उठाया। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास में 160 किलो वजन उठाकर कुल 300 किलोग्राम का नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया।जेरेमी लालरिननुंगा ने स्नैच में भी नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले प्रयास में 136 किलो वजन उठाया। उनका दूसरा सफल प्रयास 140 किलो था। उन्होंने तीसरे प्रयास में 143 किलो वजन उठाने की कोशिश की लेकिन विफल रहे। उन्हें 10 किलो की बढ़त मिल चुकी थी।क्लीन एंड जर्क में उनका पहला प्रयास 154 और दूसरा 160 किलो था। जेरेमी का 165 किलो का तीसरा प्रयास विफल रहा। लेकिन तब तक स्वर्ण उनकी झोली में आ चुका था। मीराबाई चानू ने कल भारोत्तोलन में भारत को खेलों का पहला स्वर्ण दिलाया था।

हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के महासचिव बने राकेश कोच

गुरुग्राम। हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन की एक मीटिंग गुड़गांव में हुई। इसमें एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए चुनाव हुआ। बहादुरगढ़ से मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक राकेश कोच को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का महासचिव चुना गया। राकेश कोच का कहना है कि एसोसिएशन की तरफ से जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है उसे वह अपने कर्तव्य और ईमानदारी से निभाएंगे। नवनियुक्त महासचिव कोच ने जल्द ही हरियाणा में खिलाड़ियों के लिए फेडरेशन कप प्रतियोगिता कराने की बात कही है। साथ ही एसोसिएशन के लिए बेहतर निर्णय लेने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन की तरफ से समय समय पर खेल प्रतियोगिता कराई जाएंगी। खिलाड़ियों के लिए नए अवसर प्रदान किए जायेंगे। खिलाड़ियों की समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है। इसी के तहत वह कार्य करेंगे। राकेश कोच ने अपनी इस नियुक्ति पर सांसद एवम रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण शरण, हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के प्रधान रोहतास सिंह के अलावा अन्य पदाधिकारियों का धन्यवाद किया।

दसवां स्पोर्ट्स इंडिया एक्सपो 4 अगस्त से ग्रेटर नोएडा में

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्पोर्ट्स गुड्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एसजीईपसी), वाणिज्य मंत्रालय और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित %स्पोर्ट इंडिया 2022% - एक्सपो, कांफ्रेंस एंड अवार्ड्स का आयोजन 04-06 अगस्त तक इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में इंडियन एक्जीबिशन सर्विसेज और स्पोर्ट्स इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के सहयोग से किया जा रहा है। यह जानकारी रविवार को एक संवाददाता सम्मलेन में स्पोर्ट्स इंडिया फाउंडेशन के निदेशक स्वदेश कुमार और पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पियूष जैन ने संयुक्त रूप से दी। इस अवसर पर स्पा इंडिया के डॉ. देवेन्द्र अरोड़ा भी उपस्थित थे.

इस अवसर पर हॉकी द्रोणाचार्य डॉ. ए. के. बंसल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से देश में खेलों को रफ़्तार पकड़ने में मदद मिलेगी। इस तरह के आयोजन अधिकाधिक मात्रा में किये जाने चाहिए जिससे खिलाड़ियों और खेल से जुडे तमाम वर्गों के लोगों से खेलोत्थान में ज्यादा से ज्यादा मदद मिल सके।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव स्वदेश कुमार ने बताया कि स्पोर्ट इंडिया - एक्सपो, का आयोजन पिछले 10 सालों से किया जा रहा है और साल दर साल खेलों से जुड़े हुए और खेल व्यवसायी इस आयोजन का हिस्सा बन रहे है। स्पोर्ट्स इंडिया एक्सपो 2022 सम्मेलन और पुरस्कार उन लोगों और संस्थानों के लिए एक मंच है जो खेल, खेल व्यवसाय, खेल गतिविधियों में शामिल हैं और भारत में खेल को विकसित करने के इच्छुक हैं। यह भारत में खेल को बढ़ावा देने के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने, ज्ञान साझा करने का एक खुला मंच भी है। मुख्य उद्देश्य भारत को विश्व खेलों में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाना है।

पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पियूष जैन ने बताया कि इस स्पोर्ट इंडिया एक्सपो में पेफी के सहयोग से एक स्पोर्ट इंडिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन 4 अगस्त को किया जाएगा जिसमे विषय विशेषज्ञ खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और शारीरिक शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए शिक्षित किया जाएगा और यह आयोजन खेल और शारिरिक शिक्षा के विकास में अहम् भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश सरकार के खेल मंत्री गिरीश यादव,ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेन्द्र सिंह तोमर, क्रिकेटर मदन लाल, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्र, पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. जे एस चीमा, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय त्रिवंद्रम के प्रिंसिपल डॉ. किशोर सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

भारत ने राष्ट्रमंडल क्रिकेट में पाकिस्तान को आठ विकेट से पीटा

बर्मिंघम। स्नेह राणा और राधा यादव (दो-दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और स्मृति मंधाना की नाबाद 63 रन की आतिशी पारी की बदौलत की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को राष्ट्रमंडल खेलों की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के ग्रुप ए मैच में रविवार को एकतरफा अंदाज में आठ विकेट से पीट दिया।

भारत ने पाकिस्तान को 18 ओवर में मात्र 99 रन पर ढेर करने के बाद 11.4 ओवर में दो विकेट पर 102 रन बनाकर टूर्नामेंट में दो मैचों में पहली जीत हासिल की। मंधाना ने 42 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन की मैच विजयी पारी खेली। शेफाली वर्मा ने 16 और एस मेघना ने 14 रन बनाये जबकि जेमिमाह रॉड्रिग्स दो रन पर नाबाद रही। पाकिस्तान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की शुरूआत अच्छी नहीं हुई थी। मैच में दबदबा बनाने के बावजूद आखिरी दस ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ने उनसे पहला मैच छीन लिया था। इसलिए भारत को यह मैच ना सिर्फ़ जीतना बल्कि अच्छे अंदाज़ में जीतना था और लगता है कि भारतीय महिला टीम इसके लिए तैयार होकर आई थी। पहले भारतीय गेंदबाज़ों ख़ासकर स्पिनरो और क्षेत्ररक्षकों ने पाकिस्तानी बल्लेबाज़ों को बांधे रखा, वहीं फिर बल्लेबाज़ों ने सुनिश्चित किया कि मैच को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। स्मृति मंधाना तो आज चमत्कारिक ही दिख रही थीं। उन्होंने 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और एक दर्शनीय पारी खेली। अब भारत का मुक़ाबला 3 अगस्त को बारबाडोस से होगा। इससे पहले पाकिस्तान की शुरुआत बढ़िया रही और 6 ओवर तक मैच बढ़िया गया, मगर फिर इंडियन बॉलर्स ने अपना कहर बरपाया। अंतिम 8 गेंद में आधी टीम पवेलियन पहुंचा दी गई।

कमाल की गेंदबाजी की है आज भारतीय गेंदबाजों ने, निदा डार के नहीं होने की वजह से पाकिस्तान की टीम आज उतनी मजबूत नहीं दिख रही थी।

हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के महासचिव बने राकेश कोच

गुरुग्राम। हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन की एक मीटिंग गुड़गांव में हुई। इसमें एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए चुनाव हुआ। बहादुरगढ़ से मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक राकेश कोच को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का महासचिव चुना गया। राकेश कोच का कहना है कि एसोसिएशन की तरफ से जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है उसे वह अपने कर्तव्य और ईमानदारी से निभाएंगे। नवनियुक्त महासचिव कोच ने जल्द ही हरियाणा में खिलाड़ियों के लिए फेडरेशन कप प्रतियोगिता कराने की बात कही है। साथ ही एसोसिएशन के लिए बेहतर निर्णय लेने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन की तरफ से समय समय पर खेल प्रतियोगिता कराई जाएंगी। खिलाड़ियों के लिए नए अवसर प्रदान किए जायेंगे। खिलाड़ियों की समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है।

विराट को आराम, दीपक चाहर की ज़िम्बाब्वे दौरे पर वनडे सीरीज़ में वापसी

मुम्बई। छह महीने तक चोट की वजह से भारतीय टीम से बाहर रहने वाले दीपक चाहर आख़िरकार ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ होने वाली वनडे सीरीज़ में वापसी करने में सफल रहे हैं। इस बीच राहुल त्रिपाठी को भी पहली बार वनडे टीम का बुलावा आया है, जबकि वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को भी तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज़ अगस्त की शुरुआत में खेली जाएगी। वहीं केएल राहुल अभी तक अपनी स्पोर्ट्स हार्निया की चोट से पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ से पहले वह कोरोना से भी संक्रमित हो गए थे।

वहीं वेस्टइंडीज़ दौरे पर वनडे टीम का हिस्सा रहने वाले श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, अर्शदीप सिंह और युज़वेंद्र चहल को टीम में जगह नहीं मिली है। विराट कोहली का भी आराम बरकरार है। वहीं किसका चयन क्यों हुआ और किसको नहीं चुना गया इस पर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। पता चला है कि बीसीसीआई अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर को देखते हुए अपने प्रीमियर खिलाड़ियों को लगातार रोटेट करने की पॉलिसी की ओर देख रही है। भारतीय टीम अभी वेस्टइंडीज़ में सफ़ेद गेंद की सीरीज़ खेल रही है और 27 अगस्त से यूएई में एशिया कप होना है, जबकि उससे पांच दिन पहले भारतीय टीम ज़िम्बाब्वे में अपना आख़री वनडे मैच खेलेगी।

चाहर पिछली बार इस साल की शुरुआत में भारत के लिए वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ खेले थे। इसके बाद उनको कमर की चोट लगी और वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में अपना रिहैब करा रहे थे। इसके बाद अचानक से वह आईपीएल से बाहर हो गए, जहां पर नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें बड़ी रकम देकर ख़रीदा था।

वहीं दायीं कलाई में फ़्रैक्चर होने के बाद कुलदीप को हाल ही में एनसीए की मेडिकल टीम से ग्रीन सिग्नल मिला था। इसी चोट की वजह से वह घर में साउथ अफ़्रीका सीरीज़ और आयरलैंड, इंग्लैंड के सफ़ेद गेंद दौरे की टीम में जगह नहीं बना पाए थे। अभी वह वेस्टइंडीज़ में टी20 सीरीज़ का हिस्सा हैं। कुलदीप ने अपना पिछला मैच आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला था।

हिमालय पर 624 गांव बसाने की तैयारी में ड्रैगन, भारत के खिलाफ रच रहा नई साजिश

बीजिंग। बीते कुछ वक्त में सीमावर्ती क्षेत्रों पर चीन की सक्रियता उसके खतरनाक इरादों का संकेत दे रही है। इसी कड़ी में चीनी सरकार ने 2030 तक 100,000 से अधिक तिब्बतियों को उनके घरों से स्थानांतरित करने की योजना की घोषणा की है। इसके पीछे तिब्बतियों के परंपरागत जीवन को खत्म करने के साथ-साथ भारत समेत सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है। सिर्फ इतना ही नहीं, चीन हिमालय में नए गांव बसाने की योजना पर भी काम कर रहा है।

खास रणनीति का हिस्सा

तिब्बतियों को विस्थापित करना चीन की रणनीति की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। इसके तहत वह विवादित सीमावर्ती क्षेत्रों में

आक्रामक ढंग से नए गांव बनाना चाहता है। तिब्बती प्रेस के मुताबिक ऐसा करके चीन एक तरफ इन क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की फिराक में है।

वहीं दूसरी तरफ वह चाहता है कि भारत, भूटान और नेपाल अपनी ही सीमाओं में बंधे रहें। उधर हांगकांग में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक ड्रैगन विवादित हिमालय क्षेत्र में 624 गांव बनाने की तैयारी में हैं। इस रिपोर्ट में चीन सरकार के डॉक्यूमेंट्स का हवाला दिया गया है। असल में चीन की यह योजना 2018 में लांच की गई उसकी रणनीति का हिस्सा है। तिब्बत ऑटोनॉमस रीजन कम्यूनिस्ट पार्टी कमेटी द्वारा तैयार की गई इस योजना के मुताबिक चीन हिमालय पर 4800 मीटर से या उससे ऊपर रहने वाले तिब्बतियों को विस्थापित करेगा।

चीन का तर्क है कि ऐसा करके वह पर्यावरण की रक्षा कर रहा है। हालांकि इस बारे में कोई भी वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो कि इस विस्थापन से पर्यावरण पर कोई अनुकूल प्रभाव पड़ने वाला है। हांगकांग में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इसके पीछे का असली मकसद पारंपरिक तिब्बती जीवन शैली को समाप्त करना था।विशेष रूप से, इन क्षेत्रों में तिब्बती पीढ़ियों के लिए खानाबदोश रहे हैं।

यह सदियों से तिब्बती पठार पर प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रह रहे हैं।

अनुमान के मुताबिक जबरन पुनर्वास से करीब 20 लाख तिब्बती खानाबदोश विस्थापित होंगे। इसके चलते यह अपनी आजीविका खो देंगे और गरीबी में धकेल दिए जाएंगे।

अमेरिका में काम कर रहे पाकिस्तानी मेडिकल ग्रेजुएट्स की किस्मत अधर में

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी मेडिकल कॉलेजों से स्नातक करने वाले डॉक्टर वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेडिकल एजुकेशन के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने के कारण जनवरी 2024 के बाद अमेरिका में काम करने में सक्षम नहीं हो सकेंगे। पाकस्तान के समाचारपत्र 'डान'ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इससे पहले पाकिस्तान मेडिकल एंड डेंटल कौंसिल ने डब्ल्यूएफएमई मान्यता के लिए आवेदन किया था और उनके प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तान आने के लिए आमंत्रित भी किया था, लेकिन 2019 में पीएमडीसी को भंग कर दिया गया और इसकी जगह पाकिस्तान चिकित्सा आयोग की स्थापना की गयी। इसके बाद डब्ल्यूएफएमई का दौरा स्थगित हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि पाकिस्तान के पास डब्ल्यूएफएमई से मान्यता प्राप्ति के लिए जनवरी 2024 तक का समय है।

रूसी युद्धपोत के काला सागर बेड़े के मुख्यालय में विस्फोट, नौसेना दिवस की छुट्टी रद्द

एजेंसी

कीव। रूसी युद्धपोत के काला सागर बेड़े के मुख्यालय में रविवार को ड्रोन के जरिए किए गए विस्फोट में छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्रीमिया के सेवस्तोपोल शहर स्थित मुख्यालय में विस्फोट के बाद रूसी नौसेना दिवस अवकाश को रद्द कर दिया गया। रूस ने 2014 में क्रीमिया पर आक्रमण कर उसे अपना हिस्सा बना लिया था।

काला सागर बेड़े की प्रेस सेवा ने कहा कि हमला ड्रोन से किया गया। सेवस्तोपोल के मेयर मिखाइल रजवोजाएव ने कहा कि विस्फोट में छह लोग घायल हो गए। यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि ड्रोन ने कहां से उड़ान भरा था। सेवस्तोपोल यूक्रेन के मुख्य भूभाग के दक्षिण में करीब 170 किलोमीटर की दूरी पर है। काला सागर के आसपास के ज्यादातर क्षेत्र पर रूसी सेना का नियंत्रण है।

वहीं, यूक्रेन के अन्य हिस्सों में युद्ध जारी है। प्रमुख बंदरगाह शहर माइकोलीव के मेयर विताली किम ने कहा कि बमबारी में यूक्रेन के अमीर शख्स ओलेक्साई वदुर्तुस्की और उनकी पत्नी की मौत हो गई। वदुर्तुस्की अनाज भंडारण और निर्यात कारोबार से जुड़े थे। यूक्रेन के उत्तर में रूस की सीमा के पास सूमी क्षेत्र में बमबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। क्षेत्रीय प्रशासन ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले, दोनेत्सक के गवर्नर पावलो किलिलेंको ने कहा कि क्षेत्र में हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई। इस क्षेत्र में आंशिक रूप से रूसी अलगाववादियों का नियंत्रण है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के एक सलाहकार मिखाइलो पोडोलियाक ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि शुक्रवार को एक धमाके में मारे गए 53 यूक्रेनी बंदियों की तस्वीरों से पता चलता है कि ओलेनिवका में इमारत के भीतर ही यह विस्फोट हुआ जिसपर रूस ने कब्जा कर रखा है।

इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में छह संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया

तेल अवीव। इजरायल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि वेस्ट बैंक में रात भर के नियमित अभियानों के दौरान छह संदिग्ध आतंकवादियों हिरासत में लिया गया है। इजरायली सेना ने कहा,आईडीएफ, सामान्य सुरक्षा सेवा (शबक) और सीमा पुलिस (मगव) रात के दौरान यहूदिया और सामरिया (वेस्ट बैंक के लिए इजरायली नाम) में अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने कई इलाकों में अभियान चलाया, जिनमें शुक्बा और बेयट डुकू शहर शामिल थे।आईडीएफ ने कहा, आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में कुल छह लोगों को हिरासत में लिया गया। आईडीएफ ने बताया कि आगे की जांच के लिए संदिग्धों को सुरक्षा बलों को सौंप दिया गया है।

ईरान व तालिबान के बीच सीमा पर संघर्ष, एक की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत निमरूज में ईरान और तालिबान (आतंकवादी गतिविधियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के तहत) के सीमा बलों के बीच संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। टोलो न्यूज रविवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि एक स्थानीय सीमा कमांडर का हवाला देते हुए संघर्ष कांग जिला में हुआ, जिसके परिणामस्वरूप एक तालिबान लड़ाका मारा गया और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना की शुरुआत ईरानी पक्ष ने की थी। इस्लामिक मिलिशिया तालिबान ने देश से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और अमेरिका समर्थित सरकार के पतन के बाद 15 अगस्त, 2021 को सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

ईरान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 69 हुई

तेहरान। ईरान में एक सप्ताह से अधिक समय तक हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से कम से कम 69 लोगों की मौत हो चुकी है और 39 लोग घायल हो गए जबकि 45 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संगठन (एनडीएमओ) के उप प्रमुख नेजाद जहांनी ने रविवार को अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी को बताया कि मृतकों में छह, घायलों में से तीन और लापता लोगों में से तीन इराकी नागरिक हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पीर-होसैन कुलीवंद ने बताया कि तेहरान प्रांत के फ़िरुज़कुह काउंटी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, 24 प्रांतों के 661 क्षेत्रों में खोज, बचाव और सहायता अभियान चल रहे हैं। इन इलाकों में बाढ़ से अवरुद्ध सड़कों को फिर से खोल दिया गया है। श्री जहानी ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य जारी रहने से हताहतों की संख्या बढ़ने की संभावना है। वहीं इस्फ़हान प्रांत के आपदा प्रबंधन संगठन के महानिदेशक मंसौर शिशेहफ़ौश ने कहा कि बाढ़ के कारण 18 काउंटियों में अनुमानित 2.81 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है, जबकि 4,000 हेक्टेयर खेत, 50 हेक्टेयर उद्यान, 30 पशुपालन इकाइयाँ और 10 मछली पालन इकाइयाँ प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रांत में भारी बारिश से 98 किलोमीटर सड़कें और 61 इमारतें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ईरान में सोमवार तक भारी बारिश जारी रहने के आसार हैं।

जेलेंस्की ने नागरिकों से डोनेट्स्क क्षेत्र खाली करने की दी हिदायत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन के नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों में निवासरत नागरिकों को इलाके को खाली करने का आदेश दिया है। श्री जेलेंस्की ने कहा कि लड़ाई और अधिक तीव्र हो सकता है तथा जितने अधिक लोग डोनेट्स्क क्षेत्र छोड़ते हैं, वे सुरक्षित रह सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह चेतावनी ऐसे समय दी है , जब रूस ने संयुक्त राष्ट्र और रेडक्रॉस के अधिकारियों को रूसी समर्थित अलगाववादियों द्वारा आयोजित डोनेट्स्क क्षेत्र के एक अन्य हिस्से में युद्ध के 50 यूक्रेनी कैदियों की मौत की जांच के लिए आमंत्रित किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नमः शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू सः। ऊं भूः भुवः स्वः। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमशः स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुतः यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अतः शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।